CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 189 ता. 23 जनवरी 2022,रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

राजनीतिक रैलियों, रोड शो पर पाबंदी 31 जनवरी 2022 तक बढ़ी

नई दिल्ली।

कोरोना के बढ़ते प्रकोप के कारण चुनाव आयोग ने राजनीतिक रैलियों, रोड शो पर पाबंदी 31 जनवरी 2022 तक बढ़ा दी है। प्रतिबंध की यह समय सीमा 22 जनवरी को समाप्त हो रही थी। अब चुनाव आयोग ने डोर-टू-डोर प्रचार अभियान पर नए दिशानिर्देश दिए हैं। अब डोर टू डोर कंपेन में पांच की जगह दस लोग शामिल हो सकेंगे। हालांकि चुनाव आयोग ने पहले चरण वाली सीटों पर 28 जनवरी के बाद से रैलियां करने की छूट दे दी है। जबकि दूसरे चरण में जिन विधानसभा सीटों पर चुनाव होना है, वहां एक फरवरी से रैलियों को लेकर भी ढील दे दी गई है। कोविड-19 के पालन के साथ सार्वजनिक स्थानों पर वीडियो वैन की भी इजाजत दे दी गई है। चुनाव आयोग ने कहा है कि पहले दो चरणों के चुनाव को छोड़कर कहीं भी रोड शो, पद यात्रा, साइकिल यात्रा, रैली या जुलूस आदि नहीं निकाले जाएंगे। पहले दो चरणो में जिन सीटों पर चुनाव होना है, वहां रैलियां और जनसभाएं हो सकती हैं, लेकिन इनमें अधिकतम 500 लोग ही शामिल हो सकते हैं या फिर जगह की 50 फीसदी क्षमता के बराबर लोग शामिल हो सकते हैं। यह छूट पहले चरण में 28 जनवरी से 8 फरवरी 2022 के बीच रहेगी, हालांकि मतदान के पहले जिन दो दिनों में चुनाव प्रचार पर रोक रहती है,वो जारी रहेगी। वहीं दूसरे चरण में यह ढील 1 फरवरी से 12 फरवरी के बीच लागू रहेगी। निर्वाचन आयोग ने इनडोर मीटिंग के लिए भी पहले ही 300 तक लोगों के जमा होने या आयोजनस्थल के 50 फीसदी क्षमता के बराबर लोगों के एकत्र होने की ढील दी है। हालांकि अधिकतम संख्या 300 मानी जाएगी। इन चरणों में यूपी में विधानसभा चुनाव होने हैं। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग ने चुनावी रैलियों, रोड शो पर प्रतिबंध बढ़ाने का फैसला सभी संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया है। इस मुद्दे पर चुनाव आयोग के अधिकारियों की केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों, राज्यों के निर्वाचन अधिकारियों और स्वास्थ्य महकमों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी। चुनाव आयोग यूपी, गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड, पंजाब में कोविड टीकाकरण अभियान की भी लगातार समीक्षा कर रहा है। साथ ही यहां कोरोना के मामलों के ग्राफ पर भी उसकी नजर है। उल्लेखनीय है कि यूपी में विधानसभा चुनाव सात चरणों में होना है। जबकि मणिपुर में दो चरणों में विधानसभा चुनाव है। गोवा और उत्तराखंड में एक चरण में 14 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। जबकि पंजाब में पहले मतदान 14 फरवरी को ही होना था, जिसे अब बढ़ाकर 20 फरवरी को कर दिया गया है। संत रविदास जयंती को लेकर विभिन्न राज्यों ने चुनाव आयोग से पंजाब में विधानसभा चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था। इसके बाद चुनाव आयोग ने मतदान की तिथि बढ़ाई।

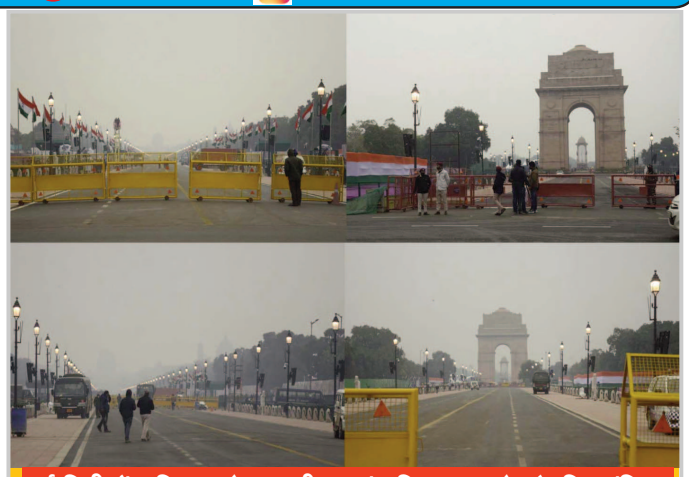

नई दिल्ली में शनिवार को आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के लिए इंडिया गेट पर तैयारी और सुरक्षा।

पहला कॉलम

बीटिंग रिट्रीट में इस बार बजेगा 'सारे जहां से अच्छा'

नई दिल्ली ।

बीटिंग रिट्रीट समारोह के समापन का संकेत देने वाले गीत 'एबाइड विद मी' इस बार नहीं बजेगा उसके स्थान पर 'सारे जहां से अच्छा' गीत बजाया जाएगा। सेना में 'एबाइड विद मी' गीत सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा रहा है जिसे युद्ध में के दौरान दिन के लिए लड़ाई के अंत को चिह्नित करने के लिए बजाया जाता था, जिसमें सैनिक हथियार रखकर युद्ध के मैदान से पीछे हट जाते हैं। भारत में हर साल 29 जनवरी की शाम को दिल्ली के विजय चौक पर आयोजित होने वाला बीटिंग रिट्रीट समारोह, गणतंत्र दिवस उत्सव के समापन का प्रतीक होता है। बीटिंग रिट्रीट समारोह अपनी औपनिवेशिक विरासत के बावजूद कायम है, लेकिन वह हर पश्चिमी गीत जो इसका हिस्सा रहा उसे आधुनिक भारतीय मार्शल धुनों के लिए हटा दिया गया है। इससे इस सेरेमनी का मूल स्वरूप में बदलाव हो रहा है। महात्मा गांधी का पसंदीदा गीत 'एबाइड विद मी', ईश्वर से जीवन और मृत्यु के दौरान वक्ता के साथ बने रहने की प्रार्थना है। यह गीत 1847 में स्कॉटिश लेखक एंग्लिकन हेनरी फ्रांसिस लाइट ने लिखा था।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, पोस्टल बैलेट के द्वारा उग्रवादी' भी वोटिंग कर सकते

इंफाल ।

मणिपुर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आयोग ने बड़ा फैसला किया है।इसतरह चुनाव में उग्रवादी' भी वोटिंग कर सकते हैं। पोस्टल बैलेट के द्वारा उन्हें वोटिंग की इजाजत दी गई है। हालांकि आयोग ने इसके लिए कई तरह की शर्तें भी रखी हैं।सिर्फ इसतरह के उग्रवादी संगठनों के सदस्यों को वोट डालने का अधिकार दिया गया है, जिन्होंने सरकार से शांति समझौते के लिए हामी भरी है।बता दें कि मणिपुर में 27 फरवरी को वोटिंग है। शुक्रवार को चुनाव आयोग इस लेकर अधिसूचना जारी की।सिर्फ इसतरह के लोगों को मतदान में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी जिनके नाम वोटर लिस्ट में सूचीबद्ध हैं और जो फिलहाल अलग-अलग कैंप में रह रहे हैं।सरकार इसतरह के संगठन से जुड़े लोगों को मुख्य धारा में लाने की कोशिश कर रही है। कई अंडरग्राउंड गुटों ने भी सरकार के साथ मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किया है। मणिपुर में 20 से ज्यादा उग्रवादी गुट हैं। कुकी उग्रवादी गुट दो बड़े समूहों की तरह सक्रिय हैं। यूनाइटेड पीपल्स फ्रंट और कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन है।इन दोनों संगठनों ने सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन पर साइन किए हैं। ये राज्य और केंद्र सरकार के साथ सीजफायर समझौता है।सरकार चाहती है कि ये सारे लोग भी चुनाव का हिस्सा बने। लिहाजा चुनाव आयोग ने भी इन्हें वोट डालने की इजाजत दे दी है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि इन मतदाताओं को पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। दरअसल ये उग्रवादी अपने कैंप से बाहर नहीं जा सकते हैं।

पीएम मोदी ने अपनी क्लस में जिलाधिकारियों को पढाया जनता से भावनात्मक जुडाव का पाठ

नई दिल्ली/

प्रधानमंत्री तो या राष्ट्रपति भी अगर जिलाधिकारियों को खुद सामने बैठक भावनात्मक जुडाव का पाठ पढायेगा तो इन अधिकारियों के सिर के ऊपर से चला जायेगा। क्योंकि हर जगह की एक ही स्थिति सामने आ रही है। जिलाधिकारी केवल एसी चेम्बर में बैठककर फाइलों में रूपरेखा तैयार करते है, जब कोई आम जनता जिलाधिकारी के कार्यालय जाती है तो कार्यालय के बाहर बैठा उनका पर्सनल अधिकारी बोल देता है अभी कोरोना है सर ने मना किया है किसी को अंदर जाने से। तो सोचने वाली बात है कि क्या ये भावनात्मक जुडाव है। यह केवल कहने में अच्छी लगती है। सही मायने में बहुत कम ऐसे जिलाधिकारी होंगे जो जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं से रूबरू होते है, नहीं तो ज्यादातर जिलाधिकारी एसी चेम्बर में सुबह घूसते है, वहां से सीधे अपने बंगला चले जाते हैं। इसी बीच आज जब पीएम मोदीजी ने जिलाधिकारियों की क्लास लेकर उन्हें भावनात्मक का पाठ पढाया तो शायद लगता है कोई जनभावना आयेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब दूसरों की आकांक्षाएं, अपनी आकांक्षाएं बन जाएं, जब दूसरों के सपनों को पूरा करना अपनी सफलता का पैमाना बन जाएं, तो फिर वो कर्तव्य पथ इतिहास रचता है। पर ऐसा इतिहास रचने वाली जिलाधिकारी बहुत ही कम है। पीएम मोदी तो अपना पाठ पढाकर अलग हो गए, अब जिलाधिकारियों की जिम्मेदारी बनती है कि उस पाठ का समझकर उसे अपने जीवन में उतरे। आप सबके प्रयासों से, आकांक्षी जिले, आज गतिरोधक के बजाय गतिवर्धक बन रहे हैं। पीएम ने कहा, आकांक्षी जिलों में विकास के लिए प्रशासन और जनता के बीच सीधा कनेक्ट, एक इमोशनल जुड़ाव बहुत जरूरी है। एक तरह से गवर्नेंस का टॉप टू बॉटम और बॉटम टू टॉप फ्लो। और इस अभियान का महत्वपूर्ण पहलू है-टेक्नोलॉजी और इनोवेशन। सुशासन में जिला प्रशासन के महत्व पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सरकार को योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने में मदद करता है। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र के दौरे और निरीक्षण के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार करने का सुझाव दिया। उन्होंने सिविल सेवकों से भी आह्वान किया कि वे देश के लिए उसी उत्साह के साथ काम करें, जो उन्होंने सेवा में पहले दिन किया था। पीएम ने कहा, पिछले 4 सालों में देश के लगभग हर आकांक्षी जिले में जन-धन खातों में 4 से 5 गुना की वृद्धि हुई है। लगभग हर परिवार को शौचालय मिला है, हर गांव तक बिजली पहुंची है और बिजली सिर्फ गरीब के घर में नहीं पहुंची है बल्कि लोगों के जीवन में ऊर्जा का संचार हुआ है। उन्होंने कहा, आकांक्षी जिलों में जो लोग रहते हैं, उनमें आगे बढ़ने की तड़प होती है। इन लोगों ने अपने जीवन का अधिकतर समय अभावों में, मुश्किलों में गुजारा है। हर छोटी-छोटी चीजों के लिए उन्होंने परिश्रम किया है इसलिए वो लोग साहस दिखाने के लिए और रिस्क उठाने के लिए तैयार होते हैं।

युवाओं को एकजुट और अनुशासित बल में परिवर्तित कर जनसेवा कर रही एनसीसी : रक्षामंत्री राजनाथ

नई दिल्ली ।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वर्चुअल मोड से गणतंत्र दिवस शिविर 2022 में भाग लेने वाले राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स से बातचीत की। उन्होंने कैडेट्स में एक नेता, सैनिक, कलाकार, संगीतकार और सबसे बढ़कर एक अच्छे इंसान के गुणों को स्थापित करने के लिए इस युवा संगठन की सराहना की, जो उन्हें एक संपूर्ण व्यक्ति बनाता है। उन्होंने कैडेट्स के गुणों को विकसित करने के लिए एनसीसी की सराहना की ताकि वे अपने रास्ते खुद बना सकें और समाज को नई दिशा दे सकें।

उन्होंने कैडेट्स से अपने जीवन में उद्देश्य खोजने और एनसीसी के कई पूर्व छात्रों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया, जिन्होंने संगठन में सिखाए गए एकता, अनुशासन, सच्चाई, साहस, सद्भाव और नेतृत्व के गुणों को अपनाकर समाज में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं को एकजुट और अनुशासित बल में बदलकर राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण सेवा कर रहा है। रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट्स से 'क्षुद्र ईर्ष्या और क्षेत्रों, धर्मों, जातियों व वर्गों के दिल को छू लेने वाले पूर्वाग्रह से प्रगति की नई सुबह तक' के लिए संघर्ष करने का आग्रह किया। उन्होंने सामान्य भलाई के अनुरूप स्वतंत्रता के उच्चतम स्तर का आनंद लेते हुए पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता का आह्वान किया। उन्होंने लगातार विकसित हो रहे समय के साथ खुद को ढालने और भारतीय मूल्यों, परंपराओं और उस बदलाव को लाने में मानवता की भावना को आगे बढ़ाने पर समान रूप से जोर दिया।

जम्मू-कश्मीर का परिसीमन शुरू हो गया,जल्द चुनाव करने की तैयारी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का परिसीमन शुरू हो गया है। जल्द ही वहां चुनाव करावाए जा सकते है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस करने पर भी बात कही।

उन्होंने कहा, मैंने लोकसभा में आश्वासन दिया है कि जैसे ही जम्मू-कश्मीर में स्थिति सामान्य होगी, जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिया जाएगा।केंद्रीय गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर का जिला सुशासन सूचकांक जारी करते हुए कहा, आज जो सुशासन सूचकांक शुरू हुआ हैं, इससे जिले के तंत्र को सुधारने, परिणाम लक्ष्य बनाने और डिलीवरी देने वाला तंत्र बनाने के लिए बहुत बड़ा फायदा जम्मू-कश्मीर के लोगों को होगा। सूचकांक में केंद्र और राज्य सरकार की नीतियां, योजनाएं और कार्यक्रम की निगरानी जिला स्तर किया गया है।

दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए विधानसभा क्षेत्रों की सीमा को नए सिरे से निर्धारित करने के मकसद से गठित परिसीमन आयोग ने 16 सीट अनुसूचित जाति तथा जनजाति के लिए आरक्षित करते हुए जम्मू क्षेत्र में छह अतिरिक्त सीट और कश्मीर घाटी में एक अतिरिक्त सीट का प्रस्ताव रखा है।इस पर कई दलों ने आपत्ति जाहिर की हैं और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा कि वह रिपोर्ट पर इसके वर्तमान स्वरूप में हस्ताक्षर नहीं करेगी।

श्रीलंका को ईंधन की खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर ऋण देगा भारत

कोलंबो:

भारत ने मुद्रा एवं ऊर्जा के संकट से जूझ रहे पड़ोसी देश श्रीलंका को पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देने की घोषणा की है। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने श्रीलंकाई विदेश मंत्री जी एल पेइरिस को पत्र लिखकर 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देने पर सहमति जताई है। श्रीलंका इस समय विदेशी मुद्रा संकट से जूझ रहा है। उसका विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घट रहा है। इससे श्रीलंका की मुद्रा का मूल्य घट रहा है और आयात महंगा हो रहा है। इस समय श्रीलंका ईंधन सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की कमी से जूझ रहा है।

सरकारी बिजली इकाइयां टर्बाइन का संचालन नहीं कर पा रही हैं और यहां व्यस्त समय में बिजली कटौती भी हो रही है। श्रीलंका के बिजली मंत्री गामिनी लोकुगे की इस संकट से उबरने के उपायों पर भारतीय तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से हुई बातचीत भी नाकाम रही।

लोकुगे ने कहा, ''आईओसी ने सीलोन बिजली बोर्ड को ईंधन की आपूर्ति करने में असमर्थता जताई है। उसके पास अतिरिक्त आपूर्ति नहीं है।''

देशभर में 161.16 करोड़ से अधिक को लगे टीके, 24 घंटों में 3,37,704 नए केस सामने आए

नई दिल्ली । पिछले 24 घंटों में 67 लाख से अधिक (67,49,746) वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 161.16 करोड़ (1,61,16,60,078) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,73,78,364 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। पिछले 24 घंटों में 2,42,676 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,63,01,482 हो गई है। भारत में स्वस्थ होने की दर 93.31 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में 3,37,704 नए मरीज सामने आए हैं। वर्तमान में 21,13,365 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 5.43 प्रतिशत हैं। देश भर में जांच क्षमता का विस्तार लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 19,60,954 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 71.34 करोड़ (71,34,99,892) जांच की गई हैं। देश भर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 16.65 प्रतिशत है, दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 17.22 प्रतिशत है।

चन्नी और नवजोत पंजाब के लिए निकम्मे: कैप्टन अमरिंदर सिंह

-दावा किया इस बार पंजाब की जनता कांग्रेस को सबक सिखाएगी

नई दिल्ली।

शनिवार को पंजाब के पूर्व सीएम और पंजाब लोक कांग्रेस के संस्थापक कैप्टन अमरिंदर सिंह ने चरणजीत सिंह चन्नी, नवजोत सिंह सिद्धू और भगवंत मान तीनों पर अपने बयानों से तीर छोड़े। उन्होंने दावा किया इस बार पंजाब की जनता कांग्रेस को सबक सिखाएगी। उन्होंने भगवंत मान पर भी हमला बोला। कहा कि मान एक कॉमेडियन हैं और पंजाब की जनता को कॉमेडी नही गंभीरता चाहिए। उन्होंने आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के पास पंजाब के लिए कोई मॉडल नहीं है, वो सिर्फ हवाई बातें कर रहे हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि सीएम चन्नी और नवजोत सिंह सिद्धू दोनों पंजाब के लिए निकम्मे हैं। कैप्टन ने कहा कि कांग्रेस के अंदर लड़ाई ही उनको चुनाव में सबक सिखाएगी। गौरतलब है कि एक दिन पहले एक टीवी इंटरव्यू में भी नवजोत सिंह सिद्धू ने कांग्रेस के सीएम फेस को लेकर कहा था कि पंजाब में कांग्रेस को सिर्फ कांग्रेस ही हरा सकती है, यहां हम कलेक्टिव लीडरशिप में चुनाव लड़ रहे हैं।

वैसे पंजाब कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता अनुसूचित जाति समुदाय से संबंध रखने वाले राज्य के पहले मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को अपना समर्थन दे रहे हैं।

जब जनता को अच्छा प्रशासन मिलता है तो वो अपने आप विकास की प्रक्रिया में हिस्सेदार बन जाती है: गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली ।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज जम्मू कश्मीर में जिला सुशासन सूचकांक की वर्चुअल माध्यम से शुरुआत की।इस अवसर पर प्रधानमंत्री कार्यालयऔर कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्रीडॉ जितेंद्र सिंह और जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। गृह मंत्री ने कहा कि आज का दिन सिर्फ जम्मू-कश्मीर के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आज जो नई शुरूआत जम्मू-कश्मीर ने की है वो देश के हर राज्य में जाएगी और फिर देश के हर जिले में सुशासन की एक स्वस्थ स्पर्धा शुरू होगी। सुशासन को अगर सच्चे अर्थों में ज़मीनी स्तर तक पहुंचाना है, जिला एक महत्वपूर्ण इकाई है और जब तक जिले में सुशासन नहीं होता है तब तक इसके कोई मायने नहीं हैं।

अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एलजी मनोज सिन्हा जी जिस प्रकार से सरकार चला रहे हैं उससेनए भारत की परिकल्पना के अनुरूप बहुत बड़ा परिवर्तन जम्मू-कश्मीर में देखने को मिला है। ये सुशासन इन्डेक्स के ज़रिए जिलों के बीच जो स्पर्धा होगी इससे बहुत बड़ा फ़ायदा जम्मू-कश्मीर की आम जनता को होगा। केन्द्र और राज्य सरकार की नीतियां, योजनाएं और कार्यक्रमों की मॉनीटरिंग को इस इन्डेक्स में समाहित किया गया है।

इसके आधार पर जब सभी जिलों में स्पर्धा होगी तब सेवाओं का स्तर भी सुधरेगा और इससे जम्मू-कश्मीर में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा।श्री शाह ने कहा कि मोदी जी द्वारा गुड गवर्नेंस इन्डेक्स की शुरूआत करने के बाद राज्यों के बीच एक स्वस्थ स्पर्धा शुरू हुई थी और आज जम्मू-कश्मीर जिला गुड गवर्नेंस इन्डेक्स, जो गवर्नेंस इन्डेक्स-2021 पर आधारित है, इसके साथ ही अब देशभर के जिलों के बीच भी लोकाभिमुख सुशासन देने की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी।

गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि ये इन्डेक्स जिलों की रैंकिंग और तुलनात्मक तस्वीर भी पेश करेगा जिससे जिले के काम का मूल्यांकन करते समय ये पता होगा कि जिले में किस क्षेत्र में ज्यादा सुधार की ज़रूरत है। जिला गुल गवर्नेंस इन्डेक्स द्वारा किया गया मूल्यांकन बुनियादी ढांचे को भी सुधारने के लिए एक अच्छा मानक तय करेगा।

जम्मू-कश्मीर जिला सुशासन सूचकांक में 116 डेटा आइटम के साथ शासन के 10 क्षेत्र और 58 सूचकांक लिए गए हैं, जिनमें, कृषि सेवाएं, वाणिज्य और उद्योग, मानव संसाधन, पर्यावरण, न्याय और सार्वजनिक सुरक्षा, सामाजिक कल्याण और विकास शामिल हैं।

सार समाचार

जम्मू कश्मीर के शोपियां में सुरक्षा बलों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

श्रीनगर। 22 जनवरी जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जिले के किलबाल इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर कर तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के जवान जब इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे, उसी दौरान छिपे आतंकवादियों ने उनपर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी। उन्होंने बताया कि अंतिम सूचना मिलने तक गोलीबारी जारी थी।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने 'गोपनीय सैनिक' की हत्या की, वाहनों में लगाई आग

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक ह्यगोपनीय सैनिकह्न की हत्या कर दी। वहीं, एक अन्य घटना में नक्सलियों ने तीन वाहनों में आग लगा दी। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के बीजापुर थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने शुक्रवार को 'गोपनीय सैनिक' एंडो राम (45) की हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नक्सलियोंने एंडो राम की हत्या कर शव को गंगालूर मार्ग पर फेंक दिया है, जिसके बाद पुलिस दल को रवाना किया गया और शव को बरामद कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावर नक्सलियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में नक्सलियों ने बीजापुर जिले के ही चेरकंटी पटेलपारा गांव के करीब एक ट्रक, एक हाइवा और एक जेसीबी मशीन में आग लगा दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि शुक्रवार को हथियारबंद नक्सली चेरकंटी गांव पहुंचे और वहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रहे सड़क का काम रुकवा दिया, बाद में नक्सलियों ने वाहनों में आग लगा दी। घटना को अंजाम देने के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

राहुल ने मुंबई की इमारत में आग लगने की घटना पर दुख जताया, कार्यकताओं से मदद की अपील की

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने की घटना पर दुख जताया और पार्टी कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करें। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, 'मुंबई की बहुमंजिला इमारत में आग लगने की दुखद खबर मिली है। घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इस घटना में जख्मी हुए लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' राहुल गांधी ने कहा, 'मैं कांग्रेस कार्यकताओं से अपील करता हूं कि वे हर संभव मदद करें।' मध्य मुंबई के ताड़देव इलाके में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत की 18वीं मंजिल पर शनिवार सुबह भीषण आग लगने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य जख्मी हो गए। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि गोवालिया टैंक में गांधी अस्पताल के सामने स्थित इमारत 'कमला' में सुबह करीब सात बजे आग लगी, उस समय इसमें रहने वाले कई लोग सो रहे थे।

अमेरिका-कनाडा बॉर्डर पर ठंड से जमकर 4 भारतीयों की मौत, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राजदूतों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। अमेरिका और कनाडा की सीमा से एक बहुत ही दर्दनाक खबर सामने आई। सर्द मौसम में चार भारतीयों की जमकर मौत हो गई है। मरने वालों में एक शिशु और एक किशोर शामिल है। इसको लेकर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुख जताया है और कनाडा व अमेरिका के दूतावास से रिपोर्ट मांगी है। पूरे मामले को मानव तस्करी से जुड़ा मामला बताया जा रहा है। कनाडा पुलिस ने बताया कि एमर्सन के नजदीक कनाडा-अमेरिका सीमा पर कनाडा की ओर चार शव मिले, जिनमें दो शव व्यस्कों के, एक किशोर के और एक नवजात शिशु के हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि मृतक भारत से आए थे और कनाडा से अमेरिका की सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे। कनाडा पुलिस के ज्वाइंट कमिश्नर जेन मैक्लैवी ने मीडिया को इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि मैं जो जानकारी साझा करने जा रहा हूं वो कई लोगों के लिए सुनना मुश्किल है। ये निश्चित रूप से हृदय विधारक हादसा है। जांच के शुरूआती दौर में लगता है कि सभी की मौत सर्द मौसम की वजह से हुई है।

राजदूतों से स्थिति पर तत्काल कदम उठाने को कहा

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हैरानी व्यक्त की है और दोनों देशों के राजदूतों से स्थिति पर तत्काल प्रतिक्रिया देने को कहा है। अमेरिका में भारतीय दूत तरणजीत सिंह संधू ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद घटना बताया। जयशंकर ने ट्विट करते हुए लिखा कि इस खबर से स्तब्ध हूं कि कनाडा-अमेरिका सीमा पर एक शिशु सहित 4 भारतीय नागरिकों की जान चली गई है। वहीं कनाडा में भारत के उच्चायुक्त अजय बिसारिया का कहना है कि ह्यह एक गंभीर त्रासदी है। एक भारतीय कांसुलर टीम आज कोऑर्डिनेट और सहायता के लिए भारत के महावाणिज्य दूतावास, टोरंटो से मैनिटोबा के लिए रवाना की गई है।

आतंकवादी केवल आतंकवादी होता है, उसके महिमामंडन की अनुमति नहीं दी जा सकती: लेखी

नयी दिल्ली। विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवाद को सही नहीं ठहराया जा सकता और संयुक्त राष्ट्र द्वारा व्यक्ति और संगठनों पर निष्पक्ष होकर प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए न कि किसी राजनीतिक या धार्मिक सोच के आधार पर। वैश्विक आतंकवाद रोधी परिषद द्वारा आयोजित ह्यअंतरराष्ट्रीय आतंकवाद रोधी सम्मेलन 2022ह्ल को संबोधित करते हुए लेखी ने आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोगात्मक रवैया अपनाने का आह्वान किया और इस समस्या के मुकाबले के लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, ह्लहमें आतंकवाद से निपटने के लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है और आतंकवाद के महिमामंडन और उसे सही ठहराने की अनुमति नहीं दी जा सकती ह्ल उन्होंने कहा कि आतंकवादी केवल आतंकवादी होता है। लेखी ने कहा, ह्लहमें आतंकवाद रोधी और प्रतिबंध लगाने वाली समितियों की कार्यशैली में परिवर्तन करना होगा। पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और दक्षता पूर्ण रवैया आज की जरूरत हैं।

चुनाव आयोग की बैठक में फैसला, रोड शो और रैली पर अभी भी जारी रहेगी पाबंदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने है। चुनाव आयोग की ओर से चुनावी तारीखों का ऐलान भी कर दिया गया है। इन सबके बीच कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग की ओर से चुनावी रैली, जुलूस और रोड शो निकालने पर पाबंदियां लगाई गई है। चुनावी ऐलान के साथ ही आयोग की ओर से यह पाबंदियां लगाई गई थीं जिसे पिछले हफ्ते 22 जनवरी तक बढ़ा दी गई थी। इन सब के बीच आज पाबंदियों को लेकर एक बार फिर से चुनाव आयोग की बैठक हुई। वर्तमान स्थिति की समीक्षा के बाद इसे फिर 1 हफ्ते बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

चुनाव आयोग की बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ सभी आयुक्त और उपायुक्त भी शामिल हुए। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रमुख सचिव ने बैठक में चुनाव आयोग को टीकाकरण तथा संक्रमण को लेकर जानकारी दी। निर्वाचन आयोग ने चुनावी राज्यों में टीकाकरण की रफ्तार को और बढ़ाने के लिए कहा है। साथ ही साथ पाबंदियों को फिलहाल जारी रखने का भी फैसला लिया गया है। सूत्री बता रहे हैं कि आने वाले दिनों में चुनाव आयोग की ओर से पाबंदियों में ढील जरूर दी जाएगी लेकिन शर्तें भी लागू रहेंगी।

हालांकि यह बात भी सच है कि कहीं ना कहीं चुनाव में कोविड-19 प्रोटोकॉल का भी उल्लंघन देखने को मिल रहा है। टिकट मिलने के बाद जश्न भी मनाया जा रहे हैं जिसमें भारी भीड़ देखने को मिल रही है। इसके अलावा नेताओं के डोर-टू-डोर कैंपेन में 5 लोगों से ज्यादा व्यक्ति दिखाई दे रहे हैं। चुनाव आयोग मणिपुर में टीकाकरण की रफ्तार से असंतुष्ट है तथा इसे और तेज करने के निर्देश भी दिया गया है। पंजाब में भी टीकाकरण की रफ्तार को बढ़ाने के लिए कहा गया है। गोवा, उत्तराखंड और यूपी में टीकाकरण के आंकड़े से चुनाव आयोग संतुष्ट है और संक्रमण पर भी लगातार नजर बनाए हुए हैं।

पश्चिम बंगाल के गैर-भाजपा दलों ने अमर जवान ज्योति पर केंद्र के कदम की आलोचना की

कोलकाता। राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट स्थित अमर जवान ज्योति का विलय राष्ट्रीय समर स्मारक के साथ करने के नरेंद्र मोदी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कदम की पश्चिम बंगाल में गैर-भाजपा दलों ने शुक्रवार को आलोचना की। तृणमूल कांग्रेस समेत गैर भाजपा दलों के नेताओं ने कहा कि यह 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के अनादर के समान है जिसने बांग्लादेश को आजाद कराने में मदद की। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने फैसले की आलोचना करते हुए संवाददाताओं से कहा कि यह फैसला भारत के इतिहास, 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में देश के सैनिकों की शहादत का अपमान है। घोष ने दावा किया, 'जिन लोगों का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं है, जिन्हें हमारे स्वतंत्रता संग्राम और सैनिकों की वीरता के लिए कोई सम्मान नहीं है, वे अमर जवान ज्योति को इंडिया गेट में अपने मूल स्थान से स्थानांतरित कर सकते हैं, गणतंत्र दिवस परेड से राज्य से नेताजी की झांकी को हटा सकते हैं।' पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी ने भी इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि मोदी नेतृत्व वाली सरकार अरबों भारतीयों की भावनाओं पर विचार किए बिना मनमाने तरीके से निर्णय ले रही है। माकपा प्रदेश सचिव सूर्यकांत मिश्रा ने कहा, 'मोदी सरकार आरएसएस की विचारधारा द्वारा निर्देशित है, जिसकी भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कोई भूमिका नहीं थी। हम बार-बार कह रहे थे कि भाजपा ने भारत के इतिहास का मजाक बनाया है। गणतंत्र दिवस से पहले उनका यह कृत्य इस तथ्य की ओर इशारा करता है।'

नई परीक्षा प्रणाली से होगा छात्रों का प्राइवेट परीक्षा की तरफ पलायन

बरहज.देवरिया

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष मे सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली लागू कर दी गई है जिसके तहत कक्षाओ में उपस्थिति, असाइनमेंट ,फील्ड वर्क पर नंबर देने की व्यवस्था है साथ ही साथ वर्ष में दो बारमिड टर्म और दो वार इन्ड टर्म की परीक्षा छात्रों को देनी होगी। साथ ही साथ रेगुलर एडमिशन लेने वाले छात्र-छात्राओं को दो दो बार मोटी प्रवेश और परीक्षा शुल्क भी अदा करना होगा, इसके विपरीत इसी विश्वविद्यालय ने इन दोनों ही कक्षाओं में प्राइवेट परीक्षा के अंतर्गत पुरानी वार्षिक परीक्षा प्रणाली को अपनाते हुए परीक्षार्थियों के लिए वार्षिक परीक्षा के माध्यम से प्राइवेट परीक्षा में सम्मिलित होने की भी व्यवस्था कर दी है ।विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की दोहरी परीक्षा प्रणाली लागू होने से अगले सत्र में छात्रों का पलायन प्राइवेट परीक्षा की तरफ होगा क्योंकि वे दो बार शुल्क देने सहित असाइनमेंट मिड टर्म और दो बार परीक्षा देने से न केवल बचेंगे बल्कि प्राइवेट परीक्षा में सम्मिलित होकर वर्षों से चली आ रही परंपरागत परीक्षा के माध्यम से डिग्री हासिल करने में रुचि दिखाएंगे ।

यह समझ से परे है कि जब स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं में सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली लागू कर दी गई है तो केवल फीस वसूलने के लिए प्राइवेट परीक्षा की व्यवस्था को लागू रखना कहां तक उचित है यह सर्वविदित तथ्य है की प्राइवेट परीक्षा के शुल्क के माध्यम से विश्वविद्यालय को एक मोटी आय होती है इसलिए अपनी आय बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय ने प्राइवेट परीक्षा प्रणाली को भी लागू कर रखा है उसने यह कभी नहीं सोचा कि यह व्यवस्था लागू रखने से परीक्षार्थियों का रुझान संस्थागत रुप से प्रवेश लेकर सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली अपनाने की अपेक्षा प्राइवेट परीक्षार्थी के रुप मे परीक्षा मे सम्मिलित होने की तरफ बढ़ जाएगा जो महाविद्यालयों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होगा। विश्वविद्यालय तो रेगुलर और प्राइवेट परीक्षार्थियों से परीक्षा शुल्क वसूल लेगा लेकिन यदि बड़ी संख्या में छात्रों का पलायन प्राइवेट परीक्षा की तरफ हुआ तो अधिकांश महाविद्यालयों की आर्थिक स्थिति डगमगा जाएगी और सबसे खराब स्थिति में तो स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों के पहुंच जाने का खतरा हो जाएगा क्योंकि इन पाठ्यक्रमों में रेगुलर प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए वर्ष में दो बार मोटी फीस देना काफी महंगा सौदा साबित होगा ।इसलिए स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों में रेगुलर प्रवेश लेने के बजाय छात्र प्राइवेट परीक्षा के माध्यम से डिग्री हासिल करने में अधिक रूचि दिखा सकते हैं जो स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के लिए किसी भी दृष्टिकोण से हानिकारक साबित होगा।

आर एस एस और भाजपा ,देश को खण्डित करना चाहते हैं -रामविलास प्रजापति

बरहज - देवरिया। सत्रह अतिपिछड़ी जातीय अनुसूचितजाति आरक्षण संघर्ष मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास प्रजापति ने कहा कि आर एस एस और भाजपा दोनों मिलकर इस देश को हिन्दू राष्ट्र के नाम पर खण्डित करना चाहते हैं। प्रजापति अपने राजनगर बरहज स्थित आवास पर पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश का प्रधानमंत्री हिन्दू,सारे राज्यों के मुख्यमंत्री हिन्दू, 80प्रतिशत आईएएस और आईपीएस, पीसीएस अधिकारी हिन्दू, जिलों के डीएम एसपी हिन्दू,पूरे देश के राज्यों में हिन्दुओं की सरकारें है । आखिर भाजपा के लोग कौन सा हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते हैं ? इनके इस नारे से मुस्लिम, ईसाई सिक्ख बौद्ध आदि धर्म सम्प्रदाय के लोगो के मन में दहशत का माहौल है ।उनका कहना है कि भाजपा हिन्दू राष्ट्र के नाम पर भारत के संविधान को खत्म कर मनुस्मृति के विधान को लागू करना चाहती हैं जहां जाति,वर्ण छुआ छूत, ऊंच नीच का विधान है । यदि देश में मनुस्मृति का विधान लागू हो गया तो देश के दलित पिछड़ों की हालत हजार वर्ष पीछे की हो जायेगी और सामाजिक विषमता ब्याप्त हो जायेगी । उन्होंने कहा कि देश का दलित वर्ग अपने को हिन्दू नहीं मानकर डिस्प्रेस क्लास मानता है , मुसलमान तो हिन्दू है नहीं। समाज में इस बात की चर्चा है कि भाजपा और आरएसएस की यही रवैया रहीं तो इसवर्ग के लोग भी हिन्दू राष्ट्र से किनारा कसने लेंगेगे और यह देश खण्डित होने के कगार पर पहुंच जायेगा । उन्होंने दलित पिछड़ों से अपील की कि वे भाजपा के हिन्दू राष्ट्र के नारे को लात मारकर अपने हक के लिए संघर्ष करें क्योंकि जो लोग हिन्दू राष्ट्र की बात करते हैं वे लोग ही दलितों पिछड़ों के हक़ पर डाका डालते हैं ।

कोविड का पालन कर विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

बरहज देवरिया

स्थानीय महाविद्यालय बाबा राघव दास भगवान दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय आश्रम बरहज में बीए प्रथम वर्ष की परीक्ष प्रारंभ हुई ।परीक्षा प्रारंभ होने से पहले महाविद्यालय के मुख्य गेट पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर शंभू नाथ तिवारी मुख्य नियंता डॉ उमेश, डॉ अब्दुल हसीब, बड़े बाबू रविंद्र मिश्र, मनीष श्रीवास्तव विनय, मिश्र विनय मिश्र, नागेंद्र यादव, रवि कुमार, आनंद कुमार मिश्रा राजू, डॉ विनय तिवारी, डॉ राकेश सिंह, डॉक्टर अजय मिश्रा,द्वारा छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के प्रवेश द्वार पर कोविड के नियमों का छात्र छात्राओं से पालन कराते हुए परीक्षा में लिए प्रवेश कराया गया मास्क और सैनिटाइजर के साथ परीक्षा प्रारंभ हुई कक्ष निरीक्षक के रूप में महाविद्यालय के अध्यापक गण पूजा मौर्य,डॉ संजय कुमार सिंह, अनुज श्रीवास्तव, प्रदीप शुक्ला, प्रदीप मिश्रा,परीक्षा में ड्यूटी में डटे रहे।

आप की सरकार से यूपी में विकास सम्भव रामकिशोर चौहान

शनिवार आम आदमी पार्टी के जिला संगठन अध्यक्ष व विधानसभा 342 बरहज प्रभारी रामकिशोर चौहान ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अरविंद केजरीवाल के दिल्ली के विकास मॉडल पर डोर टू डोर ,घर घर चलो अभियान चलाकर क्षेत्र की जनता से चुनाव चिन्ह झाड़ू पर वोटर से वोट माँगा ।श्री चौहान ने भ्रमण के दौरान जनता को बताया कि आम आदमी पार्टी की सरकार जब उत्तर प्रदेश में बनेगा तभी जाकर इस प्रदेश में जनता खूश हाल का जीवन जी पायेगे ।आगे उन्होंने बताया कि जनता प्रदेश में सभी पार्टी को कई कई बार मौका मिला है आप केवल मुझे एक बार मौका दे जनता का विकास और विस्वास कभी टूटने नही दूँगा हमेसा आम आदमी पार्टी के नीतियों पर जो दिल्ली का विकास मॉडल है वह उत्तर प्रदेश मे जनता के लिए रामबाण होगा ।डोर टू डोर में दयालु चौहान ,शिवदास विश्वकर्मा, पंकज कुमार,रामभवन यादव ,इन्दजीत मौर्या ,मनोज विश्वकर्मा ,पुरोसत्तम शर्मा ,अनिल चौहान ,अरविंद चौहान सहित आदि लोग शामिल रहे।

जन संपर्क दौरान सपा नेता बाबा महेंद्रा नाथ से लिए आशीर्वाद

बरहज.देवरिया

शनिवार को सपा नेता अवधेश चौधरी ने विधान सभा क्षेत्र बरहज के कपरवार, नेतवार, बसुआ ग्राम में जनसम्पर्क व महेन के प्रचीन मन्दिर बाबा महेंद्रा नाथ का पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त की तथा जनता से सीधा सम्पर्क कर समाजवादी पार्टी के लिए समर्थन मांगा ।जनसम्पर्क करते हुए सपा नेता अवधेश चौधरी ने ग्रामीणों से कहा कि आज पूरे देश व प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, भृष्टाचार से त्रस्त है जबकि किसानों की दुर्दशा की जिम्मेदार प्रदेश की भाजपा सरकार का कार्यकाल समाप्त हो चुका है किंतु महंगाई व बेरोजगारी भृष्टाचार जस का तस है। उन्होने आगे कहा कि आज किसान महँगे खाद व बीज तथा आवारा पशुओं द्वारा किये जा रहे फसल बर्बादी से परेशान है वही मजदूरों की आज जो दुर्दशा हो रही है उसका जिम्मेदार भाजपा सरकार है। सपा नेता ने जनसंपर्क करते हुए विधानसभा चुनाव में सायकिल को जिताने की अपील की।और सीधा सम्पर्क करते हुएअवधेश चौधरी ने कहा कि जनता ने आशीर्वाद दिया तो बरहज की बुनियादी समस्याओं को समाप्त कर विकास की गंगा बहा दूँगा।इस दौरान जनसम्पर्क में अमरजीत यादव, भगवान खरवार, शिबू पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

गोवा की राजनीति का नासूर है दलबदल का धब्बा, कई पार्टियों की डूबो चुका है लुटिया

पणजी। (एजेंसी)

इतिहास गवाह है कि दलबदल की राजनीति बहुत ज्यादा कष्टदायक रही है। दल बदल की राजनीति ने कई पार्टियों के मुंह से सत्ता का स्वाद छीन लिया है। बहुत उच्च साक्षरता दर वाला समृद्ध गोवा लंबे समय से दलबदल की राजनीति से ग्रसित है।आया राम-गया राम शब्द की उत्पत्ति हरियाणा से हुई थी लेकिन गोवा उससे भी आगे निकल गया है, जो सबसे बेशर्म राजनीतिक टर्नकोट के घर के रूप में है। गोवा राज्य दलबदल की राजनीति का बहुत बड़ा उदाहरण रहा है। गोवा में बीते पांच साल में लगभग 24 विधायकों ने एक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी का दामन थामा है, जो 40 सदस्यीय राज्य विधानसभा में विधायकों की कुल संख्या का 60 प्रतिशत है। एक संगठन की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

दलबदल की राजनीति से पीड़ित है गोवा

'एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस मामले में गोवा ने एक विचित्र रिकॉर्ड कायम किया है, जिसकी भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। गोवा में 14 फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिये मतदान होना है।

पांच साल में 24 विधायकों ने बदला दल

रिपोर्ट में कहा गया है, मौजूदा विधानसभा (2017-2022) के पांच साल के कार्यकाल के दौरान लगभग 24 विधायकों ने दल बदला, जो सदन में विधायकों की कुल संख्या का 60 प्रतिशत हिस्सा है। भारत में इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। इससे जनादेश के घोर अनादर की बात बिल्कुल साफ नजर आती है और अनियंत्रित लालच नैतिक दृष्टिकोण व अनुशासन पर भारी पड़ता दिखाई देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 24 विधायकों की सूची में विश्वजीत राणे, सुभाष शिरोडकर और दयानंद सोपटे के नाम शामिल नहीं हैं, जिन्होंने 2017 में कांग्रेस विधायकों के रूप में विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वे सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए थे और उसके टिकट पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस के 10 विधायक 2019 में पार्टी का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हो गए थे। इनमें नेता प्रतिपक्ष चंद्रकांत कावलेकर भी शामिल थे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने वाले कांग्रेस के अन्य विधायकों में जेनिफर मोनसेरेट (तालिगाओ), फ्रांसिस्को सिल्वरिया (सेंट आंद्रे), फिलिप नेरी रोड्रिग्स (वेलिम), विल्फ्रेड नाजरेथ मेनिनो डी सा (नुवेम), क्लैफसियो डायस (कनकोलिम), एंटोनियो कारानो फर्नांडीस (सेंट क्रूज), नीलकंठ हलर्नकर (टिविम), इसिडोर फर्नांडीस (कैनकोना), अतानासियो मोनसेरेट (जिन्होंने मनोहर परिंकर के निधन के बाद 2019 में पणजी उपचुनाव जीता था) शामिल हैं। महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) के विधायक दीपक पौस्कर (संवोर्डेम) और मनोहर अजगांवकर (पेरनेम) भी इसी अवधि के दौरान भाजपा में शामिल हो गए थे। सालिगांव से गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के विधायक जयेश सालगांवकर भी भाजपा में शामिल हो गए थे। हाल में गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री तथा पोंडा से कांग्रेस विधायक रवि नाइक सत्तारूढ़ भगवा पार्टी में शामिल हुए। एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता लुइजिन्हो फलेरियो (नावेलिम) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का दामन थामा और वह 14 फरवरी के विधानसभा चुनावों में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। साल2017 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के टिकट पर जीतने वाले पूर्व मुख्यमंत्री चर्चिल अलेमाओ ने भी हाल में टीएमसी का रुख किया। साल 2017 के चुनावों में, कांग्रेस 40 सदस्यीय सदन में 17 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी, लेकिन सरकार नहीं बना सकी, क्योंकि 13 सीटें जीतने वाली भाजपा ने कुछ निर्दलीय विधायकों और क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर सरकार बना ली थी।

टीकाकरण को लेकर नए निर्देश जारी

कोरोना से संक्रमित होने वाले मरीजों को ठीक होने के तीन महीने बाद वैक्सीन लगेगी

नई दिल्ली ।

केंद्र की मोदी सरकार ने शुक्रवार को टीकाकरण को लेकर नए निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि कोरोना से संक्रमित होने वाले मरीजों को ठीक होने के तीन महीने बाद वैक्सीन दी जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से इसबारे में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र भेजे गए हैं। नए निर्देशों में वैक्सीन की एहतियाती खुराक भी शामिल है।केंद्र सरकार ने कहा कि संक्रमित व्यक्तियों के टीकाकरण में तीन महीने की देरी होगी। इसमें 'एहतियाती' खुराक भी शामिल है।सभी राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों को भेज पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव विकास शील ने कहा, कृपया ध्यान दें, जिन व्यक्तियों की जांच में सार्स सीओवी-2 कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई है अब उन्हें ठीक होने के तीन महीने बाद खुराक दी जाएगी। इसमें 'एहतियाती' खुराक भी शामिल है।शील ने कहा, 'मैं अनुरोध करता हूं कि संबंधित अधिकारी इसका संज्ञान लें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 'कोविन' पर एक मोबाइल नंबर से अब चार की बजाय छह लोग पंजीकरण करवा सकते हैं।मंत्रालय ने कहा कि कोविन के 'रेज एन इश्यू' सेक्शन के तहत एक और सुविधा शुरू की गई है, जिससे लाभार्थी टीकाकरण की वर्तमान स्थिति को 'पूर्ण टीकाकरण' से 'आंशिक टीकाकरण' या 'बगैर टीकाकरण' और 'आंशिक टीकाकरण' से 'बगैर टीकाकरण' में बदल सकता है। मंत्रालय ने कहा, 'कुछ मामलों में जहां अनजाने में गलती से टीकाकरण प्रमाण पत्र जारी हो जाता है, लाभार्थी टीकाकरण की स्थिति को ठीक कर सकते हैं। मंत्रालय ने कहा कि 'रेज एन इश्यू' के जरिये

ऑनलाइन अनुरोध करने के तीन से सात दिन के भीतर परिवर्तन हो सकता है। कोरोना रोधी टीकों के दुनिया के सभी हिस्सों, विशेष रूप से गरीब देशों तक नहीं पहुंचने के बारे में चिंताओं के बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि टीकाकरण महामारी से लड़ने के लिए किसी भी रणनीति का मुख्य हिस्सा होना चाहिए और समान वितरण बहुत जरूरी है।

पठानकोट बम ब्लास्ट केस में उत्तराखंड से हथियार समेत 4 गिरफ्तार

रुद्रपुर। पंजाब के पठानकोट में साल 2021 तीन स्थानों पर हुए बम धमाके के मुख्य आरोपी एवं साजिशकर्ता को पनाह देने वाले चार आरोपियों को कुमाऊं की एसटीएफ ने बाजपुर के कैलाखेड़ा से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों से एक .32 बोर की पिस्टल और एक कार भी बरामद की है। डीआईजी एवं ऊधमसिंहनगर के एसएसपी ने खुलासा करते हुए बताया कि पंजाब का बम धमाकाकांड राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक मामला है। इसके बाद से सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट मोड पर आ गई थी। पकड़े गए सभी आरोपियों से पूछताछ के बाद कई अहम जानकारियां भी मिली है। इसकी सूचना देश-प्रदेशों की सुरक्षा एजेंसियों को सांझा की गई हैं। शनिवार को पुलिस कार्यालय में खुलासा करते हुए एसएसपी बरिंदरजीत सिंह ने बताया कि नवंबर 2021 को पंजाब प्रांत के पठानकोट, लुधियाना व नवाशहर में तीन बम धमाकों ने पूरे प्रदेश को दहला दिया था। जिसके बाद से देश-प्रदेशों की सुरक्षा एजेंसियों ने प्रदेशों को अलर्ट करते हुए उत्तराखंड एसटीएफ को अहम जानकारी दी थी। बताया कि सुरक्षा एजेंसी का मानना था कि बम धमाकों के साजिशकर्ता सुखप्रीत उर्फ सुख का नाम सामने आया था और वारदात को अंजाम देने के बाद साजिशकर्ता गांव रामनगर थाना केलाखेड़ा व मूल निवासी गांव कालेके थाना खलचिंया अमृतसर निवासी शमशेर सिंह उर्फ शेरा उर्फ साबी,रामनगर केलाखेड़ा निवासी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी,गोलू टांडा थाना स्वार राम पुर यूपी निवासी गुरपाल सिह उर्फ गुरी ढिल्लो और गांव बैतखेड़ी बाजपुर निवासी अजमेर सिंह मंड उर्फ लाड़ी के संपर्क में आया और वारदात को अंजाम देने के बाद कुछ दिनों तक आरोपियों की शरण में था। लेकिन एसटीएफ की सक्रियता की भनक लगने के बाद मुख्य आरोपी उत्तराखंड से भी फरार हो चुका था। डीआईजी-एसएसपी ने बताया कि बीती रात एसटीएफ की टीम ने दंबिश देकर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से एक 32बोर की पिस्टल व फोड फिगो कार संख्या डीएल-12सीबी1269 को भी बरामद कर खुलासा कर दिया है। पकड़े गए आरोपियों से एसटीएफ और पुलिस को कई अहम जानकारी भी मिली है।

देशभर में 160.58 करोड़ से अधिक टीके प्रदान किये

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा विस्तृत करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 के टीके को सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरू किया गया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 160.58 करोड़ से अधिक (1,60,58,13,745) खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं।

राहुल गांधी ने मुंबई इमारत में आग की घटना पर जताया दुख

-मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि वे हर संभव मदद करें

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने की घटना पर दुख जताया और पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करें। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, इमारत में आग लगने की दुखद खबर मिली है। घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इस घटना में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'' राहुल गांधी ने कहा, ''मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि वे हर संभव मदद करें।'' मध्य मुंबई के ताड़देव इलाके में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत की 18वीं मंजिल पर शनिवार सुबह भीषण आग लगने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य जख्मी हो गए। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि गोवालिया टैंक में गांधी अस्पताल के सामने स्थित इमारत 'कमला' में सुबह करीब सात बजे आग लगी, उस समय इसमें रहने वाले कई लोग सो रहे थे।

टिकट न मिलने से नाराज गोवा के पूर्व सीएम पारसेकर छोड़ेंगे भाजपा

-गोवा चुनाव के लिए भाजपा घोषणा-पत्र समिति के प्रमुख हैं पारसेकर

पणजी।

राज्य विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा द्वारा टिकट नहीं देने से नाराज, गोवा के पूर्व सीएम वरिष्ठ नेता लक्ष्मीकांत पारसेकर ने शनिवार को कहा कि वह भाजपा से इस्तीफा दे देंगे। 65 वर्षीय नेता ने कहा कि वह पार्टी में नहीं रहना चाहते हैं और अपना त्यागपत्र औपचारिक रूप से सौंप देंगे। पारसेकर आगामी गोवा चुनाव के लिए भाजपा की घोषणा-पत्र समिति के प्रमुख हैं और पार्टी को कोर समिति के भी सदस्य हैं। भाजपा ने मांद्रेम विधानसभा सीट के लिए मौजूदा विधायक दयानंद सोपते को नामांकित किया है। इस सीट का पारसेकर ने 2002 से 2017 के बीच प्रतिनिधित्व किया था। सोपते ने 2017 के राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर पारसेकर को हराया था लेकिन 2019 में नौ अन्य नेताओं के साथ सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हो गए थे। पारसेकर ने कहा, ÷फिलहाल, मैंने इस्तीफा देने का फैसला किया है। मैं आगे क्या करूंगा, इसका फैसला बाद में करूंगा।' उन्होंने कहा कि सोपते मांद्रेम में मूल भाजपा कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जिससे उनके भीतर व्यापक असंतोष है। पारसेकर 2014 से 2017 के बीच गोवा के मुख्यमंत्री थे। उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर परिकर को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के बाद राज्य का मुख्यमंत्री चुना गया था। भाजपा ने 14 फरवरी के गोवा विधानसभा चुनाव के लिए 34 प्रत्याशियों की पहली सूची की घोषणा कर दी है। राज्य में विधानसभा की 40 सीट हैं।

आतंकी खतरे के बीच दिल्ली मेट्रो में हर यात्री की हो रही चेकिंग

-प्लेटफॉर्म पर सीआईएसएफ के हथियारों से लैस कमांडो भी तैनात कर रहे गश्त

नई दिल्ली।

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर खुफिया एजेंसी ने आतंकी अलर्ट जारी किया है। जिसके बाद से सुरक्षा व्यवस्था को और भी ज्यादा बढ़ा दिया गया है। गणतंत्र दिवस के मौके पर आतंकवादी हमले की फिराक में रहते हैं। जिसको लेकर समय-समय पर खुफिया एजेंसियां अलर्ट जारी करती हैं। ऐसे में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली मेट्रो स्टेशनों पर कमांडो तैनात किए गए हैं। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा और कोरोना प्रोटोकॉल के चलते यात्रियों की लंबी लाइन लग रही है। प्लेटफॉर्म पर सीआईएसएफ के हथियारों से लैस कमांडो भी तैनात हैं और यह कमांडो लगातार गश्त कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस को देखते हुए सुरक्षा को पुख्ता किया गया है। इसके अलावा मेट्रो स्टेशन पर चेकिंग भी बढ़ा दी गई है। कोरोना महामारी के चलते स्टेशनों के कुछ ही गेट खुले हुए हैं। जिसकी वजह से

यात्रियों की लंबी-लंबी लाइन लग रही हैं। खुफिया एजेंसियों ने हाल ही में अलर्ट जारी किया था कि अल बदर और जैश के आतंकवादी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के रास्ते भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। इन आतंकवादियों के साथ एक गाइड भी मौजूद था। आतंकी अलर्ट को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और भी ज्यादा मजबूत किया गया है। सीआईएसएफ कमांडो न सिर्फ स्टेशनों के बाहर और भीतर गश्त कर रहे हैं बल्कि ऊंचाई से भी निगरानी कर रहे हैं। ताकि किसी भी अनहोनी का टाला जा सके।

मेरठ के चुनावी रण में उतरे माननीयों पर दर्ज हैं अनेक मुक़दमे

-पार्टियों ने राजनीतिक द्वेष, टिकट देने को लोकप्रिय होने का तर्क दिया

मेरठ।

यूपी में अधिकतर प्रत्याशियों पर दर्ज मामलों की वजह पार्टियों ने राजनीतिक द्वेष बताई है। टिकट देने को उनके लोकप्रिय होने का तर्क दिया है। सपा ने अपने अधिकृत ट्विटर हैंडल पर किठौर प्रत्याशी शाहिद मंजूर, मेरठ दक्षिण प्रत्याशी आदिल चौधरी, हस्तिनापुर प्रत्याशी योगेश वर्मा, सिवालखास प्रत्याशी हाजी गुलाम मोहम्मद और सरधना प्रत्याशी अतुल प्रधान पर दर्ज मामलों की जानकारी दी है। इन प्रत्याशियों से शपथ पत्र भरवाए गए थे, जिसमें उन्हें यह बताना था कि उन पर कितने और किस तरह के मुकदमे हैं। पार्टी ने कहा है कि यह लोकप्रिय हैं। पार्टी ने लिखा है कि अधिकांश मामले राजनीतिक रंजिश में दर्ज कराए गए हैं। आदिल चौधरी के बारे में बताया है कि उन्होंने कोरोना काल में गरीबों को मुफ्त में ऑक्सीजन और दवा दिलाई। शाहिद मंजूर को हमेशा जनता के बीच बताया है। भाजपा ने भी पार्टी वेबसाइट पर अपने प्रत्याशियों पर दर्ज मुकदमों की जानकारी अपलोड कर दी है। भाजपा ने इनको प्रत्याशी बनाए जाने का कारण लिखा है कि ये अधिकतर दर्ज मुकदमे राजनीतिक हैं। ये जनता के लोकप्रिय नेता हैं, ऐसे में पार्टी ने इनको प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने जो जानकारी अपलोड की है उसके मुताबिक हस्तिनापुर से प्रत्याशी दिनेश खटीक के खिलाफ तीन मुकदमे दर्ज हैं। सरधना से प्रत्याशी संगीत

सोम के खिलाफ छह मुकदमे दर्ज हैं। सिवालखास से प्रत्याशी मनिंदरपाल सिंह के खिलाफ 24 मुकदमे दर्ज हैं। किठौर से प्रत्याशी सत्यवीर त्यागी के खिलाफ दो मुकदमे हैं। कैंट से प्रत्याशी पूर्व विधायक अमित अग्रवाल के खिलाफ छह मुकदमे दर्ज हैं। दक्षिण से प्रत्याशी डॉ। सोमेंद्र तोमर के खिलाफ चार मुकदमे हैं। शहर सीट से प्रत्याशी कमलदत्त शर्मा के खिलाफ छह मुकदमे दर्ज हैं।

-यह सेना सहित सभी सुरक्षाबलों और अवाम के लिए गर्व की बात है

जम्मू कश्मीर में आतंकी 200 से कम होना बड़ी उपलब्धि: ले जोशी

ऊधमपुर।

कई वर्षों के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की संख्या 200 से कम होना उल्लेखनीय उपलब्धि है। जो सेना सहित सभी सुरक्षाबलों के लिए गर्व की बात है। सैनिकों की मदद के लिए स्टेट आफ आर्ट तकनीक को सेना में शामिल किया जा रहा है। यह बातें उत्तरी कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल वाईके जोशी ने उत्तरी कमान मुख्यालय में आयोजित अलंकरण समारोह में यूनिटों को अलंकृत करने के बाद अपने संबोधन में कही। उत्तरी कमान प्रमुख ने कहा कि हर वर्ष की तरह पिछला वर्ष भी उत्तरी कमान के लिए उल्लेखनीय वर्ष था। जिसमें वीरों ने हर चुनौती का भरपूर सामना करते हुए दुश्मनों को नापाक इरादों को नाकाम किया। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर लद्दाख के सामरिक महत्व को हर कोई जानता है और सेना ने इस इलाके की सुरक्षा के प्रति अपने कर्तव्य को बखूबी निभाया है। उत्तरी कमान ने एलएसी, एलओसीटी, एजीडीएल, अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अपना नियंत्रण पूर्ण रूप से स्थापित रखने के सात आर्तरिक सुरक्षा पर भी कड़ा नियंत्रण रखा है। पूर्वी लद्दाख में सैनिकों ने चीन की पीएलए के साथ कई इलाकों से डिसएंगेजमेंट को सकारात्मक रूप से अंजाम दिया है। पीएलए के साथ बाकी इलाकों से भी डिसएंगेजमेंट के लिए वार्ता की प्रकिया जारी है। इसके साथ ही सेना ने उन बर्फीली चोटियों पर सतर्कता बरकार रखी है और यह वीरों अद्वय साहस, शौर्य और दृढ़ संकल्प का जीता जागता उदाहरण है। आपरेशन स्नो लेपर्ड बरकार है, सैनिक हमेशा की तरह अभी भी चौकस और तैयार हैं। उन्होंने कहा कि एलएसी पर पिछले एक साल से जारी युद्ध विराम का सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों दिनचर्या और जीवनशैली में काफी सुधार हुआ है। हालांकि पाकिस्तान से आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश अभी भी हो रही है, जिसे सैनिक सतर्कता और अदम्य साहस के साथ लगातार विफल कर रहे हैं। सैनिकों की मदद के लिए तकनीक का भरपूर प्रयोग किया जा रहा है, स्टेट आफ आर्ट तकनीक को सेना में शामिल कर रहे हैं। बीते वर्ष में सुरक्षा और स्थिरता के सभी मापदंडों में भारी सुधार हुआ है। आतंकवाद का बहिष्कार कर आवाम ने भी बता दिया है कि अलगाववाद और बंदूक की संस्कृति के लिए अब कोई जगह नहीं है। उत्तरी कमान प्रमुख ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर का प्रभाव देश में फैला हुआ है। पहले की तरह उत्तरी कमान ने दोनों केंद्र शासित प्रदेश सरकार के साथ मिल कर आवाम की मदद का बीड़ा उठा रखा है। इस महामारी के खिलाफ सेना पूरी तरह से लोगों के साथ हैं और

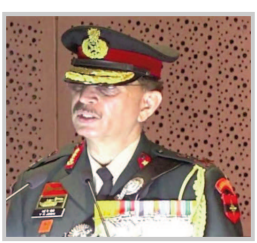

निस्वार्थ भाव से उनकी सेवा के लिए तत्पर हैं। मार्च 2020 से लेकर अब तक फौज के सभी स्वास्थ्य देखभाल कर्मी बिना अपने प्राणों की चिंता किए देश और नागरिकों की सेवा में लगे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सरकार बनी तो आईटी क्षेत्र में 22 लाख युवाओं को रोजगार: अखिलेश

2022 में बाइसिकल का नारा साकार करने के लिए सपा आज संकल्प लेती है

लखनऊ।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को वादा किया कि पार्टी की सरकार बनने पर यूपी के 22 लाख युवाओं को आईटी क्षेत्र में रोजगार दिया जाएगा। अखिलेश यादव ने यह घोषणा यहां संवाददाता सम्मेलन में की। इस अवसर पर बरेली के पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन और उनकी पत्नी व इस चुनाव में कांग्रेस में उम्मीदवार सुप्रिया ऐरन के अलावा संडीला से पूर्व विधायक महावीर सिंह की पत्नी रीता सिंह भी पार्टी में शामिल हुईं। अखिलेश यादव ने कहा कि ''वर्ष 2022 में बाइसिकल का नारा साकार करने के लिए सपा आज संकल्प लेती है। आईटी सेक्टर में 22 लाख युवाओं को नौकरी देने का संकल्प लेते हैं, इसके लिए सरकार काम करेगी। जो सरकार 18 लाख लैपटॉप दे सकती है, वो सरकार इस दिशा में देर नहीं लगाएगी। यह नौकरी आईटी सेक्टर वालों को मिलेगी।'' उन्होंने कहा, जो समाजवादी पार्टी 18 लाख लैपटॉप बांट सकती है उसको 22 लाख रोजगार आईटी के क्षेत्र में देने में समय नहीं लगेगा। आईटी सेक्टर के लिए पहला संकल्प हैं कि 22 लाख युवाओं को इस क्षेत्र में रोजगार दिया जाएगा।

गलत इंजेक्शन लगाने से व्यापारी की मौत, होम्योपैथिक डॉक्टर को गिरफ्तार किया

खंडवा । मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में गलत इंजेक्शन लगाने से व्यापारी की मौत मामले में मोघट थाना पुलिस ने सिंधी कॉलोनी से होम्योपैथिक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। डॉक्टर होम्योपैथिक की डिग्री लेकर एलोपैथिक पद्धति से मरीजों का इलाज करता था। डॉक्टर ने 4 महीने पहले सब्जी व्यापारी को गलत इंजेक्शन लगाया था। जिससे मरीज के शरीर में संक्रमण फैला और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कार्रवाही करते हुए उसके क्लीनिक को सील कर दिया है। खंडवा एसपी ने कहा कि पुलिस जांच में पता चला की डॉ.दीपक विश्वकर्मा होम्योपैथिक चिकित्सक है। जबकि वह मरीजों का एलोपैथिक चिकित्सा से इलाज कर रहा था। जिसकी न उसके पास कोई डिग्री थी न ही अनुभव। और इसी आधार पर मोघट थाना पुलिस ने डॉ.विश्वकर्मा के खिलाफ गैर इरादतन हत्या तथा मेडिकल एक्ट में केस दर्ज कर उस गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सिंधी कॉलोनी के सब्जी विक्रेता दीपक पिता अर्जुनदास आरतानी शुगर पेशेंट था। उनकी तबियत बिगड़ी तब सिंधी कॉलोनी स्थित क्लिनिक पर डॉ. विश्वकर्मा से इलाज करवाने पहुंचा। यहां डॉ. विश्वकर्मा ने बिना जांच किए उस इंजेक्शन लगा दिया था। इसके बाद परिजन पहले उस खंडवा के नवोदय हॉस्पिटल लेकर गए। स्थिति गंभीर होने के कारण बुरहानपुर के ऑल इज वेल अस्पताल रेफर किया गया।वहीं मरीज की जान नहीं बच सकी और मरीज ने बुरहानपुर के अस्पताल में दम तोड़ दिया। पीएम के बाद हुई जांच में पता चला कि डॉ. दीपक विश्वकर्मा ने गलत इंजेक्शन लगाने से मरीज के शरीर में इंफेक्शन फैल गया था।

सुरक्षा बलों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

श्रीनगर । 22 जनवरी जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिले के किलबाल इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई कर सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर कर तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के जवान जब इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे, उसी दौरान छिपे आतंकवादियों ने उनपर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि अंतिम सूचना मिलने तक गोलीबारी जारी थी।

राज्य स्तरीय पूर्ण राज्यत्व दिवस समारोह सोलन में 25 जनवरी को होगा

सोलन । 25 जनवरी, 2022 को राज्य स्तरीय पूर्ण राज्यत्व दिवस समारोह सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में होगा। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर समारोह की अध्यक्षता करने वाले हैं। यह जानकारी उपायुक्त सोलन कृतिका कुलहरी ने शनिवार को दी। कृतिका कुलहरी ने कहा कि यह सोलन जिला के लिए हर्ष का विषय है, कि इस वर्ष का पूर्ण राज्यत्व दिवस समारोह सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि समारोह के सफल आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।समारोह कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए निर्धारित विभिन्न नियमों के पालन के साथ आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि समारोह में पुलिस, होमगार्ड तथा एनसीसी द्वारा भव्य मार्चपास्ट प्रस्तुत किया जाएगा।इस मौके पर हिमाचल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रदेश सरकार की कल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। विभिन्न विभाग झांकियों के माध्यम से भी प्रदेश के विकास को लोगों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पूर्ण राज्यत्व दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों एवं अन्य को सम्मानित भी करने वाले है। पूर्ण राज्यत्व दिवस के राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए आज हिमाचल प्रदेश के प्रधान सचिव सामान्य प्रशासन भरत खेड़ा सोलन पहुंचे। उन्होंने ठोडो मैदान में विभिन्न तैयारियों का निरीक्षण किया और उचित दिशा-निर्देश जारी किए।

सुविचार विद्वत्ता अच्छे दिनों में आभूषण, विपत्ति में सहायक और बुढ़ापे में संचित धन है। - हितोपदेश

संपादकीय

ज्योति का विलय

सन् 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध की प्रतीक अमर जवान ज्योति ज्वाला को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की ज्वाला से मिला दिया गया है। सरकार का मानना था कि इंडिया गेट पर जिन शहीदों-वीरों के नाम हैं, उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध और एंग्लो-अफगान युद्ध में अंग्रेजों के पक्ष में लड़ाई लड़ी थी, जबकि अमर जवान ज्योति बांग्लादेश की मुक्ति के लिए शहीद हुए वीरों की याद में है, अत- दोनों अलग-अलग हैं। इस लिहाज से औपनिवेशक काल के प्रतीक इंडिया गेट को स्वतंत्र रहने देना चाहिए और अमर जवान ज्योति को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में लाना एक लिहाज से सरकार का तर्कपूर्ण फैसला है। फिर भी अमर जवान ज्योति इंडिया गेट की पहचान रही है। इंडिया गेट के बीच अनवरत लगभग 50 वर्षों से यह ज्योति प्रज्ज्वलित थी, जिसे देखकर शहादत की भव्यता और गर्व की अनुभूति होती थी। कम से कम तीन पीढ़ियां ऐसी बीती हैं, जिनके लिए इंडिया गेट के साथ अमर जवान ज्योति के दर्शन का विशेष महत्व था। अब हमारी शान का एक प्रतीक इंडिया गेट तो वहां रहेगा, लेकिन ज्योति के दर्शन वहां नहीं, वहां से 400 मीटर दूर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में होंगे। सरकार के इस निर्णय पर बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों ने खुशी जताई है। आमतौर पर यही यथोचित है कि दिल्ली में एक ही स्थान पर ऐसी शहादत को समर्पित ज्योति रखी जाए। शहीदों के सम्मान में जब राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में ज्योति जलाई गई थी, तभी से भी इंडिया गेट की अमर जवान ज्योति पर चर्चा हो रही थी। यह संभव था कि राष्ट्रीय युद्धस्मारक का वजूद अलग रहता और इंडिया गेट पर पचास वर्षों से प्रज्ज्वलित ज्योति को यथावत रहने दिया जाता। खैर, यह सरकार का फैसला है और देश के शहीदों, वीरों के सम्मान पर किसी तरह के विवाद की कोई गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। यदि सेना को भी यही लगता है कि राष्ट्रीय युद्ध स्मारक ही एकमात्र स्थान है, जहां वीरों को सम्मानित किया जाना चाहिए, तो इस फैसले और स्थानांतरण का स्वागत है। इधर, सरकार ने एक और फैसला लिया है कि इंडिया गेट के पास नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित होगी। यह फैसला भी अपने आप में बड़ा है। अभी तक वहां किसी प्रतिमा के लिए कोई जगह नहीं थी, अब अगर जगह निकल रही है, तो आने वाली सरकारों को संयम का परिचय देना पड़ेगा। अलग-अलग सरकारों के अपने-अपने आदर्श रहे हैं और अलग-अलग सरकारों द्वारा अलग-अलग प्रकार के स्मारक बनाने का रिवाज भी रहा है। यही विचार की मूल वजह है। स्मारकों और प्रतिमाओं का सिलसिला सभ्य और तार्किक होना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि ऐसे स्मारक देशवासियों को प्रेरित करते हैं और इससे देश को मजबूती मिलती है, लेकिन तब भी हमें राष्ट्रीय महत्व के कुछ स्मारकों को उनके मूल स्वरूप में ही छोड़ देने पर अवश्य विचार करना चाहिए। अब यह इतिहास है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 26 जनवरी, 1972 को अमर जवान ज्योति का उद्घाटन किया था और यह भी इतिहास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया, जहां अब तक शहीद हुए देश के 25,942 सैनिकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित हैं। अब अमर जवान ज्योति के आगमन से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का महत्व बहुत बढ़ गया है और बेशक, इससे राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र सेवा को बल मिलेगा।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस- अखंड भारत की आजादी के स्वप्नदृष्टा

(लेखक- डॉ. अशोक कुमार भार्गव, आई.ए.एस.)

'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के ओजस्वी उद्घोष से समग्र राष्ट्र में देशभक्ति त्याग और बलिदान के अनियंत्रित तूफान को सृजित करने वाले भारतीय स्वाधीनता संग्राम के क्रांतिधर्मा महानायक सुभाष चंद्र बोस का देश की आजादी के इतिहास में अनुपम और अतुलनीय योगदान हैं। भारत को विश्व की एक महान शक्ति बनाने के लिए संकल्पित सुभाष चंद्र बोस की अमिट छवि भारतीय जनमानस में नेताजी के रूप में अंकित है। 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में जन्मे सुभाष एक व्यावहारिक चिंतक, अद्भुत संगठन कर्ता और करिश्माई नेतृत्व के धनी थे जिनके स्वाभिमानी व्यक्तित्व में जादुई आकर्षण था। उनकी वाणी में अद्भुत ओज था। विचारों की स्पष्टता, प्रखरता, दूरदर्शिता, लक्ष्य की दृढ़ता, सिद्धांतों की प्रतिबद्धता, राष्ट्रभक्ति और जन सेवा के प्रति समर्पण एवं अपने कार्य के प्रति असीम आत्मविश्वास के साथ गहन निष्ठा का भाव उनके व्यक्तित्व में इस तरह समाहित था कि उन्होंने बिना झिझक अंग्रेज साम्राज्य के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष का आह्वान किया। उस अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध जिसमें कभी सूर्यास्त नहीं होता था और ब्रिटेन के विद्रोही कवि अर्नेस्ट जोन्स के शब्दों में 'वह इतना क्रूर भी हो गया था कि उसके उपनिवेशों में रक्त भी कभी नहीं सूखता था।' उन्होंने साहस पूर्वक अंग्रेजी हुकूमत से टक्कर लेते हुए युवाओं में क्रांति की चेतना जागृत की और दुनिया के अन्य राष्ट्रों से चर्चा कर भारत की आजादी के पक्ष में विश्व जनमत निर्माण का ऐतिहासिक कार्य किया। सुभाष का बचपन से ही अध्यात्म की ओर झुकाव रहा। कटक में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की । कोलकाता के प्रेसिडेंसी कॉलेज और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद देश की आजादी के लिए आजीवन ब्रह्मचर्य का संकल्प लेने वाले सुभाष के मन में भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रति अगाध श्रद्धा, आस्था और अटूट प्रेम था। कलकत्ता के प्रेसिडेंसी कॉलेज के प्रोफेसर ओटन जो भारतीय छात्रों को घृणा की दृष्टि से देखता था, उन्हें गंवार और जंगली कहकर अपमानित करता था। यह स्वाभिमानी सुभाष को बिल्कुल स्वीकार्य नहीं था। अतः उन्होंने उसके विरुद्ध कॉलेज में छात्रों के साथ मिलकर हड़ताल की, कक्षाओं का बहिष्कार किया और एक दिन मौका पाकर अन्य छात्रों के साथ मिलकर कक्षा में ही उसे करारा सबक सिखाने के लिए जमकर पिटाई कर दी। उस प्रोफेसर के होंश उड़ गए। अंततः प्रोफेसर ने छात्रों से क्षमा मांगी और भारतीयों का अपमान करना बंद कर दिया। यद्यपि इस घटना के बाद सुभाष को कॉलेज से निकाल दिया गया किंतु इसका उन्हें तनिक भी अफसोस नहीं हुआ बल्कि उनका मन प्रफुल्लित हुआ। सुभाष ने कहा कि भारतीय होने का अर्थ यह नहीं है कि हम असभ्य और गंवार हैं। हम पूरी तरह से सभ्य और सुसंस्कृत हैं। किसी को भी हमें अपमानित करने का अधिकार नहीं है तत्पश्चात स्कॉटिश चर्च कॉलेज से उन्होंने दर्शनशास्त्र में स्नातक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। उन्होंने मिलिट्री प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। पिताजी चाहते थे कि सुभाष इंग्लैंड जाएं और सर्वोच्च प्रशासनिक सेवा आई. सी. एस. होकर लौटे। किंतु जन्मजात विद्रोही सुभाष के मन में अंग्रेजी हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकने की बगावत का बीजारोपण तो हो ही चुका था। समाज सेवा राष्ट्र सेवा और जन सेवा का कर्तव्य भाव उन्हें पुकार रहा था। ना चाहते हुए भी पिता की आज्ञा का पालन किया और इंग्लैंड से आईसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली, किन् तु उनकी सरकारी नौकरी करने की इच्छा बिल्कुल नहीं थी। उन्होंने दृढ़ता पूर्वक प्रतिकार करते हुए कहा कि वह शासन तंत्र जो मेरी मातृभूमि को दासता की जंजीरों में जकड़ा हुआ है उसकी कठपुतली या पुर्जा बनना मुझे स्वीकार नहीं है। विदेशी हुकूमत हमारे युवकों को गोलियों से भून रही है उन्हें जेलों में यातनाएं दे रही है और मैं उनकी गुलामी करूं यह असंभव है और 22 अप्रैल 1922 को उन्होंने पिता की इच्छा के विरुद्ध आईसीएस से त्यागपत्र दे दिया। एक अंग्रेज पुलिस अधिकारी ग्रीफीथ जो सुभाष को पूर्व से जानता था उन्हें गिरफ्तार करने के लिए गिरफ्तारी वारंट लेकर उनके कमरे पर पहुंचा जहां वे साधारण कपड़े में बैठे थे, कोने में एक तरफ मिट्टी का घड़ा रखा हुआ था। उसने कहा मैं तुम्हें गिरफ्तार करने आया हूं। तुम क्या हो सकते थे और क्या हो गए। सुभाष ने कहा 'ठीक कहा तुमने मैं गुलाम हो सकता था लेकिन आज मैं अपने देश की स्वाधीनता का सजग सिपाही हूं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुझे तुम्हारे कमरे की तलाशी भी लेनी है। हां हां क्यों नहीं तलाशी भी ले सकते हो। पुलिस अधिकारी ने कमरे की हर चीज को देखा लेकिन उसे कोई भी वस्तु आपत्तिजनक नहीं मिली । तब उसने चौकी पर रखी चांदी की डिबिया खोली पूछा कि इसमें ये चूर्ण जैसा क्या है। सुभाष ने कहा यह मेरे देश की पवित्र मिट्टी है । मैं प्रतिदिन इसकी पूजा करता हूं और देश की स्वाधीनता के अपने उद्देश्य का स्मरण करता हूं। अधिकारी ने कहा सुभाष तुम अवश्य ही पागल हो गए हो अन्यथा भला कोई मिट्टी की भी पूजा करता है। सुभाष बोले यह बात तुम्हारी समझ में नहीं आएगी। तुम्हारा जन्म इंग्लैंड में हुआ है। अगर तुम भारत भूमि में पैदा हुए होते तो जान पाते की मां और मातृभूमि की महत्ता क्या है। जिसे तुम मिट्टी कह रहे हो वह मेरी भारत माता की चरण रज है। मैं इसे माथे पर लगाता हूं। तुम इन बातों को समझने योग्य नहीं हो। मुझे गिरफ्तारी का कोई भय नहीं है। कष्ट और त्याग ये दोनों स्वराज की नींव है और इन्हीं पर हमारे स्वतंत्र राष्ट्र का निर्माण होगा। यदि देश के युवक उसके लिए स्वयं को अर्पित करने के लिए तैयार हों तो स्वतंत्रता की कल्पना को साकार करने में देर नहीं लगेगी। सुभाष के इस विलक्षण उत्तर से पुलिस अधिकारी निरुत्तर हो गया। बंगाल के देशभक्त चितरंजन दास की प्रेरणा से सुभाष राजनीति में आए स्वयंसेवक बने फिर राष्ट्रीय विद्यापीठ के आचार्य और कॉंग्रेस स्वयंसेवक दल के प्रमुख। अपने साथियों के साथ सेवादल बनाकर मानव सेवा में जुट गए। उनकी ख्याति युवा नेता और समाजसेवी के रूप में विख्यात हो गई। उत्तर बंगाल के बाढ़ पीड़ितों की अद्भुत सेवा की। स्वराज पार्टी के प्रमुख पत्र फॉरवर्ड के संपादक बनाए गए। 1924 में जब देशबंधु कोलकाता के मेयर बने तब सुभाष को मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया। जहां उन्होंने प्रशासनिक दक्षता, राष्ट्रवादी भावनाओं और जन हितेषी कार्यों से अपनी प्रामाणिकता सिद्ध की। इस दौरान प्रिंस ऑफ वेल्स के स्वागत के बहिष्कार के संबंध में उन्हें गिरफ्तार किया गया। यहीं से उनकी जेल यात्राएं प्रारंभ हुई जो सन 1941 तक तब तक चलती रही जब तक वे चुपके से निकलकर जर्मनी नहीं चले गए। वे कुल 11 बार गिरफ्तार किए गए और लगभग 15 वर्षों तक जेल में रहे। 1928 में प्रांतीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए लगातार परिश्रम से वे बीमार हो गए। बमुश्किल 1932 में जर्मनी में चिकित्सा के लिए गए और वहां से लौटने पर 1939 में पट्टाभी सीतारमैया को चुनाव में पराजित कर पुनः कांग्रेस के अध्यक्ष बन गए। गांधीजी ने इसे अपनी व्यक्तिगत हार माना। गांधी के अहिंसा वादी विचारों का सुभाष के क्रांतिकारी विचारों से मेल नहीं होता था। अतः उन्होंने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया। उग्रवादी विचारधारा के अमर सेनानी सुभाष का दृढ़ विश्वास था कि ब्रिटिश शासन की नृशंसता का सशस्त्र बल से विरोध करने पर ही भारत मां को आजाद किया जा सकता है। अपना रक्त दिए बिना भारत को मुक्त नहीं किया जा सकता। भारतीय संस्कारों से युक्त पूर्ण स्वराज का लक्ष्य लेकर उन्होंने फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। गांधी के व्यक्तिगत सत्याग्रह प्रारंभ करने के दौरान सुभाष बाबू ने बंगाली जनता को हालवेल, ब्लैक होल स्मारक को हटा देने एवं सामूहिक आंदोलन करने का आह्वान किया।

नेताजी तो एक ही थे सुभाषचन्द्र बोस

- डॉ.दीपक आचार्य

जहां कहीं नेताजी शब्द सामने आता है। हमारी कल्पनाओं में एक ही चित्र उभरकर सामने आता है और वह है नेताजी सुभाषचन्द्र बोस। सुभाष बोस के आगे एक बार लग गया नेताजी का शब्द अतने अधिक उच्चतम शिखर और अपार ऊर्जाओं का बोध कराता है कि इनके सामने बाकी सारे फीके पड़ जाते हैं। नेताजी के अलावा किसी ओर के नाम के साथ नेताजी लगाते ही या तो व्यंग्य का बोध होता है अथवा किन्हीं अन्य तरह के भावों का। इन भावों में रमण करने के लिए हम सभी स्वतंत्र हैं। इसे सार्वजनीन रूप से कहने की कोई आवश्यकता नहीं। सभी कृतज्ञ देशवासी आजादी दिलाने में सर्वोपरि और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती मना रहे हैं। सुभाषचन्द्र बोस का नाम ही अपार ऊर्जा और असीम शक्तियों का संचार करने वाला है। दुनिया भर के मुल्कों के स्वाधीनता चेतना और दासत्व से मुक्ति के अभियान में सर्वाधिक चर्चित और यथोचित सम्मान से वंचित हस्ताक्षर के रूप में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को जाना जाता है जिनके बारे में आज तक भी संशयों के बादल छँट नहीं पाए हैं। नेताजी की महान शख्सियत के बारे में समझदार लोगों का साफ-साफ आकलन है कि उनके विराट कद से वाकिफ लोगों ने भी उनके बारे में ईमानदारी और पारदर्शिता नहीं रखी तथा परवर्ती कर्णधारों ने अपनी छवि को ऊँचाई देने और बरकरार रखने के लिए सायास ऐसा बहुत कुछ किया जिसकी वजह से नेताजी को इतिहास में अपेक्षित सम्मान व स्थान नहीं मिल पाया। इन सबके बावजूद नेताजी आज भी भारतीय जन-मन में इतने गहरे तक बसे हुए हैं कि उनका मुकाबला कोई दूसरा नहीं कर पा रहा है। यह श्रद्धा इस बात का संकेत है कि नेताजी के कर्मयोग को सदियों तक कोई भुला नहीं पाएगा। नेताजी के जीवन और स्वाधीनता समर के महायौद्धा के रूप में जानने और जन-मन तक उनसे जुड़ी जानकारी पहुंचाने के प्रयास हाल ही हुए हैं फिर भी देशवासी आज भी आतुर हैं नेताजी के बारे में सब कुछ जाने लेने को, पूरी पारदर्शिता से उन सभी रहस्यों का उद्घाटन होना चाहिए, जो अपेक्षित हैं। सुभाषचन्द्र बोस को लेकर अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है ताकि देश की वर्तमान और आने वाली पीढ़ियां उनसे प्रेरणा पा कर भारतीय स्वाभिमान, साहस और पराक्रम का अनुकरण कर सकें। इसके लिए वर्तमान से ज्यादा अनुकूल समय कभी नहीं आ सकता। देश आज जिन गरिमामय स्थितियों में आगे बढ़ रहा है उसमें राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीयता और स्वदेशी स्वाभिमान के वटवृक्षों को पनपाने कराने के लिए सर्वथा अनुकूल माहौल है और इसका पूरा-पूरा उपयोग करते हुए हमें वह सब कुछ करना होगा, जो कर सकते हैं। आने वाले समय के भरोसे नहीं रहा जा सकता। नेताजी ने जिस प्रखर राष्ट्रवाद को परिपुष्ट किया, उस पर चलते हुए भारत की वैश्विक छवि को और अधिक दैदीप्यमान बनाने के लिए हम सभी की भागीदारी जरूरी है। कुछ लोग जरूर हैं जो हमारी प्राचीन व परंपरागत अस्मिता का कबाड़ा कर देने के लिए अपनी ही अपनी बातें करते हैं, अपने ही अपने इर्द-गिर्द पूरे देश को चलाना चाहते हैं, और इसलिए उन गर्वीली परंपराओं के गौरव से हमें अनभिज्ञ रखना चाहते हैं जिनके जान लेने भर से उन लोगों की अस्मिता खतरे में पड़ जाएगी और सब कुछ छीन जाने का डर भी है। देश अब समझदारी और सत्यान्वेषण के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में यह जरूरी हो चला है कि भारतीय स्वाभिमान को जगाया जाए, संस्कृति की जड़ों से जुड़कर अपनी परंपराओं को आत्मसात करते हुए विश्व गुरु के सफर को वेग प्रदान किया जाए। लेकिन इन सबके लिए हमें लौटना होगा हमारे महापुरुषों और परंपराओं की ओर। यही हमारे केन्द्र हैं और इन्हीं की परिधियों में रहते हुए हम राष्ट्रपुरुष की आराधना के स्वर गुंजाते हुए मातृभूमि की सेवा कर उऋण हो सकते हैं। आज हमारे बीच होते तो क्या कुछ होता, इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है। आज की दुर्दशा को देखकर वे सबसे ज्यादा व्यथित होते। हो सकता है कि नेताजी ने देश के इन हालातों को देखकर ही संन्यासी जीवन ग्रहण कर लिया और गुमनाम जिन्दगी अंगीकार कर ली। इन्टरनेट और दूसरे सभी प्रकार की नेटवर्किंग को देखकर वे प्रसन्न होने की बजाय दुःखी ज्यादा होते। '' तुम मुझे खून दो - मैं तुम्हें आजादी दूँगा '' का नारा गुंजाकर वे यदि युवाओं का आह्वान भी करते तो देश के लाखों युवा ट्वीटर, व्हाट्सअप और फेसबुक सहित तमाम प्रकार के सोशल मीडिया पर संदेश को इतना अधिक फैला देते कि यह बार-बार दोहरान करता हुआ अरबों बार आ जाता। व्यक्तिपूजा से लेकर भ्रष्टाचार और पाश्चात्य चकाचौंध से प्रभावित महान लोगों की संप्रभुता भरी हरकतों और भारतीय जनमानस को देखकर उकता जाते, चाईनीज माल के प्रति हमारी समर्पित भावना और निजी स्वार्थों को देखकर सर पीट लेते। नेताजी को दुःख ही होता अपने नेताजी नाम से, इतनी घिन आ जाती कि वे देश भर के अखबारों और चैनलों में विज्ञापन दे देकर अपने नाम के आगे से 'नेताजी' शब्द हटवा देते। सुभाषचन्द्र बोस आज हमारे बीच होते तो बहुत कुछ ऐसा होता जिसकी वजह से उन्हें खिन्न होना पड़ता और सचमुच वे अवसाद में आ जाते। हम कल्पना कर सकते हैं कि आज नेताजी होते तो हम देशवासियों, हमारे कर्णधारों और दूसरे लोगों के लिए क्या-क्या नहीं सोचते रहते। भरोसा नहीं है हमें, हो सकता है वे आज भी कहीं दूर बैठे हमारी हरकतों को देख रहे हैं, और यदि सच में ऐसा है तो उनके पास पछतावे के सिवा क्या बचा होगा? कुछ करना ही चाहते हैं तो नेताजी की तरह खुद को बनाएं और देश की सेवा में लगाएं। केवल बातों और भाषणों से कुछ होने वाला नहीं।

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती पर हार्दिक शुभकामनाएँ ...

आज के कार्टून

सत्य

जग्गी वासुदेव

कबीर एक बुनकर थे-वे एक महान दिव्यदर्शी कवि थे जो आज भी अपनी कविताओं के माध्यम से हमारे बीच जीवित हैं। उन्होंने जो काव्य लिखा था, गाया था, वह उनके जीवन का एक बहुत छोटा सा भाग है। अधिकतर समय वे कपड़ा बुनने का काम करते थे। चूंकि आज हमारे पास केवल उनका काव्य है तो लोगों को लगता है कि उन्होंने बस यही काम किया। नहीं, उनका जीवन तो कपड़ा बुनने में लगा था, काव्य करने में नहीं। उनका बुना हुआ कपड़ा आज नहीं है पर उनकी कही हुई कविताएं आज भी जीवित हैं। मुझे नहीं मालूम कि कितनी खो गई है पर जो बची है वे फिर भी अविसनीय हैं। वे अद्भुत मनुष्य थे पर उनके काव्य के अतिरिक्त हम उनके बारे में कुछ नहीं जानते। स्पष्ट है कि वे अत्यंत गहन अनुभव रखने वाले व्यक्ति थे, इसके बारे में कोई प्रश्न ही नहीं है। लेकिन उनका पूरा जीवन, उनकी मृत्यु और उसके बाद भी, उनकी दिव्यद शिंता, ज्ञान अथवा स्पष्टता की एक नई दूरदृष्टि जो वे लोगों को देना चाहते थे, उसको लोगों ने महत्व नहीं दिया। वे सब बस इसी विवाद में उलझे रहे कि कबीर हिंदू थे या मुस्लिम? लोगों के सामने बस यही मुख्य प्रश्न था। अगर आप को ये मालूम नहीं है तो मैं आप के सामने एक अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी रख रहा हूं- कोई भी इंसान, एक हिंदू या मुस्लिम, या जो ऐसे और भी बेकार के झंझट है, उनमें से किसी रूप में पैदा नहीं होता। ऐसे ही, कोई भी हिंदू या मुस्लिम या ऐसा ही कुछ और हो कर नहीं मरता। मगर जब तक हम यहां पर हैं, तब तक एक बड़ा सामाजिक नाटक चलता रहता है। ये सब कुछ जो आप ने बनाया है-आप के विचार कि आप कौन हैं, आप कौन सा धर्म मानते हैं, कौन सी चीज आप की है, कौन सी चीज आप की नहीं है?-ये सब असत्य है। जो सत्य है वह बस है, आप को उसके बारे में कुछ नहीं करना। इस सत्य की वजह से ही हम हैं। सत्य वह नहीं है जो आप बोलते हैं। सत्य का अर्थ है वे मूल नियम जो जीवन को बनाते हैं और जिनसे सब कुछ होता है। आप अगर कुछ कर सकते हैं तो बस ये चुन सकते हैं, कि आप सत्य के साथ लय में हैं या आप सत्य के साथ लय में नहीं हैं। आप को सत्य की खोज नहीं करनी है, सत्य का कोई अध्ययन भी नहीं करना है।

सू-दोकू नवताल -2028

3		5	1	9	7	4		8
			6					5
		6	2	8		1		3
2					9	6		7
		4		3		2		
5		7	4					9
6		3		5	1	9		
8					4			
7		1	9	2	6	3		4

सू-दोकू -2027 का हल

2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. राजेश खन्ना, शर्मिला अभिनीत फिल्म-4
4. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीतवाली संजयदत्त, पूजाभट्ट की फिल्म-3
7. मिथुन चक्रवर्ती, रंभा, मधु की 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-3
8. अमिताभ बच्चन, अमजद खान, नीतू सिंह की फिल्म-3
9. अनिल कपूर, जैकी, शत्रुघ्न सिन्हा, टीना मुनीम, हेमा अभिनीत फिल्म-2
10. 'तुझसे नाराज नहीं जिंदगी' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, शबाना की फिल्म-3
12. अक्षय कुमार, शांतिप्रिया की 'लैला को भूल जायेंगे' गीत वाली फिल्म-3
13. 'अंखियां मिला के जिया भरमा के' गीत वाली फिल्म-3
16. डिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-2
17. अजय देवगन, पूजा भट्ट, सोनाली की फिल्म-2
18. 'भीगे होंठ तेरे' गीत वाली फिल्म-3
19. 'छम से वो आ जाये' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक, जायेद खान, एशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
20. नसीरुद्दीन शाह, पूजा भट्ट, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-2
21. रणदीप हुडा, सुशांत सिंह, यशपाल, रुखसार, इशा कोप्पिकर की 'खुद को मार डाला' गीत वाली फिल्म-1
22. शशि कपूर, राखी (डबल रोल) की फिल्म-3
26. सुनील शेट्टी, अंजली जठार की 'वादे न हों कसमें न हों' गीत वाली फिल्म-2
27. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र,श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
28. 'छू लेने दो नाजुक होठों को' गीत वाली फिल्म-3
30. 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली प्रशांत, संध्या की फिल्म-3
31. अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, करण कपूर, कैटरीना कैफ, तनीषा, रुखसार की फिल्म-4

फिल्म वर्ग पहेली-2028

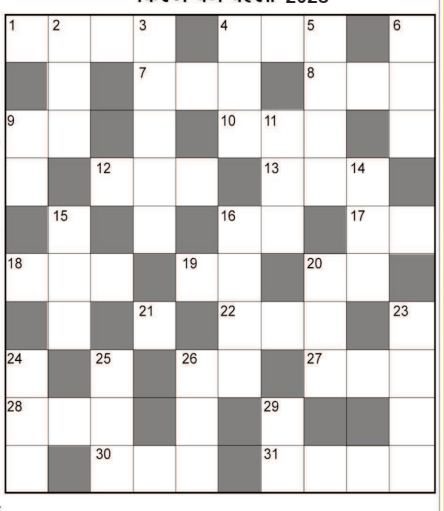

ऊपर से नीचे:-

2. 'भूली बिसरी यादों में' गीत वाली अमिताभ बच्चन, शर्मिला टैगोर, जॉन अब्राहम, अनुशा की फिल्म-3
3. अमोल पालेकर, विद्या सिन्हा की 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली फिल्म-5
4. कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-3
5. 'ऐतबार नहीं करना' गीत वाली फिल्म-4
6. 'हमने तुम को दिल ये दे दिया' गीत वाली डिनो मोरिया, बिपाशा बसु की फिल्म-3
9. अभिषेक बच्चन, विवेक, अजय देवगन, रानी, करीना, ईशा देओल की 'कभी नीम नीम कभी' गीत वाली फिल्म-2
11. 'देखो मेरा दिल मचल गया' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-3
14. अश्मित पटेल तथा पाकिस्तानी नायिका मीरा की 'आजा शोर मचाले शोर' गीत वाली फिल्म-3
15. भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-3
16. जैकी श्रॉफ मनीषा, दीसि भटनागर की 'तेरा चेहरा ना देखूं अगर' गीत वाली फिल्म-2,2
20. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म 'मेहंदी' के निर्माता-3
23. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-4
24. 'हमराही जब हो मस्ताना' गीत वाली अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित, नम्रता की फिल्म-3
25. शाहरुख खान, मनीषा, प्रीति जिंटा, शिल्पा शिरोडकर की 'तू ही तू सतरंगी रे' गीत वाली फिल्म-2,1
26. राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा, मिथुन, हेमा की 'शबनम का ये कतरा है' गीतवाली फिल्म-3
29. 'दीदार दे दीदार दे' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, जायेद खान, ईशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2027

कु	बा	न		जो	रू	का	गु	ला	म	
ली		ज	ह	र		ला		श	क	
	क	र	म		स	प	ने		ड़ी	
द	स		तु	म		त्थ		भ		
	क	स	म		स	र	फ	रे	श	
दि		च्चा		ह	त्या			सा		
ल	ड़	ई		की		दि	ल		शो	
से			ब्लै	क	मै	ल		सु	र	
	आ	ह		त		दा	मि	नी		
ध	न	वा	न		गै	र		ल	की	

कैसे बनी बबल गम

बच्चों, क्या आप जानते हो कि बबल गम कैसे बनाई जाती है। नहीं ना, चलो हम बताते हैं। बबल गम एक विशेष प्रकार के पेड़ के दूध से बनती है। इसे टेस्ट देने के लिए फ्लेवर और शुगर मिलाया जाता है। चुइंग गम के स्वाद से दुनिया को परिचित कराने वाले व्यक्ति का नाम है थॉमस एडम्स। न्यू जर्सी का ये व्यापारी सापोडिला नाम के पेड़ से प्राप्त दूध से सिंथेटिक रबर बनाता था, जिनसे वो खिलौने, मास्क, बरसाती जूते और साइकिल के टायर बनाता था। वर्ष 1869 के एक दिन रबर के एक टुकड़े को उठाकर अपने मुंह में डाला और चबाने लगा। रबर का एक स्वाद एडम्स को अच्छा लगा। उसने सोचा क्यों न इसमें कुछ फ्लेवर मिलाया जाए।

अपनी इस सोच को वो सच्चाई में बदलने के लिए जुट गया और फरवरी 1871 में चुइंग गम की पहली फैक्ट्री अस्तित्व में आई। 1871 में ही एडम्स ने इसका पेटेंट अपने नाम करवाया। पहले इसका नाम 'एडम्स न्यूयॉर्क गम' रखा गया था, जो 1888 तक आते-आते 'टूटी-फ्रूटी' बन गई, ये पहली चुइंग गम थी जो वेंडिंग मशीन में मिलती थी। ये चुइंग गम मीठी होती थी पर इसमें किसी तरह की कोई खुशबू नहीं होती थी। तब उत्तरी अमेरिका के एक डेंटिस्ट विलियम रीगल ने इसके स्वरूप और स्वाद में थोड़ा और सुधार किया। इसमें अलग-अलग तरह के फूल और फलों की खुशबू को मिलाकर बाजार में उतारा। इसके बाद डॉक्टर सी मैन ने चुइंग गम में 'पैपासीन' नामक पदार्थ मिलाया और इसे और भी सुगंधित बना दिया। 'पैपासीन' न सिर्फ एक सुगंधित पदार्थ था बल्कि यह पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद भी था।

पहले 'सापोडिला' से चुइंग गम बनाई जाती थी पर आजकल चुइंग गम निर्माण के लिए 'गुड़ा सिपैक' नामक प्रजाति के वृक्षों व लताओं के गोंद का इस्तेमाल किया जाता है। पहले इसे हाथ से बनाया जाता था अब इसे बनाने के लिए आधुनिकतम तकनीक के विशाल संयंत्र स्थापित किए जाते हैं। इन संयंत्रों में पूर्ण वैज्ञानिक ढंग से बड़े पैमाने पर चुइंग गम का निर्माण किया जाता है।

चुइंग गम बनाने के लिए सिपैक के कच्चे गोंद, सुगंध तथा अन्य विभिन्न पदार्थों का मिश्रण तैयार किया जाता है फिर विशाल मशीनों द्वारा औटाया जाता है। बाद में यह पदार्थ एक लम्बी छड़ की शक्ल में तैयार हो जाता है। तब इसे गोल, चौकोर, तिकोना आदि आकारों में मशीनों के जरिए काट लिया जाता है। चुइंग गम में ताजगी और स्वाद को बनाए रखने के लिए पैकिंग वायु रोधी (एअर टाइट) कागजों में सील की जाती है।

चुइंग गम का ईजाद भले ही अमेरिका में किया गया होगा पर चुइंग गम के संसार में भारत का राज चलता है। यहां कई कम्पनियां उच्च कोटि की चुइंग गम का निर्माण करती हैं और साथ ही विदेशों में निर्यात भी करती हैं।

वायुयान के यात्रियों को वायु-दाब तथा अन्य असुविधाओं से बचाव की दृष्टि से उम्दा किस्म की चुइंग गम दी जाती हैं। मुंह की बदबू को दूर करने व सांसों में सुगंध बनाए रखने के लिए भी इनका उपयोग किया जाता है। इसे चबाने से दांतो व जबड़ों का अच्छा व्यायाम हो जाता है। चिकित्सकों का मत है कि अधिक मात्रा में व दिन भर चुइंग गम खाना स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक सिद्ध हो सकता है इसलिए चुइंग गम का सीमित उपयोग ही बेहतर है।

आइये जाने दुनिया के खुबसूरत ब्रिज को

प्राचीन काल से लेकर अब तक ब्रिज निर्माण की तकनीक मे बहुत बदलाव आया है। ब्रिज की वास्तुकला, आकार और सौदर्य सबको मोहित करता है। आइये जानते है दुनियाभर मे मशहूर ब्रिज को-

टावर ब्रिज

टेम्स नदी पर बना यह पुल लंदन के लैंडमार्क के तौर पर दुनिया में विख्यात है। इसका निर्माण कार्य 1886 में शुरूहुआ और 1994 में बनकर तैयार हुआ।244 मीटर लंबा तथा दो मीनारों वाला यह पुल ऊपरी स्तर पर दो पैदल रास्तों से जुड़ा है। टावर ब्रिज को भूलवश लंदन ब्रिज भी कहा जाता है जो कि उसके नजदीक दूसरा पुल है।

गोल्डन गेट ब्रिज

अमेरिका के सेन फ्रांसिसको स्थित यह प्रतिष्ठित सस्पेंसन ब्रिज का निर्माण सन् 1937 में किया गया था। इसकी लंबाई 1,280.2 मीटर है। यह पुल पानी से 211 मीटर ऊपर है। यह पुल सेन घंसिस्को और मेरीन हैडलैंड्स के बीच पतली खाड़ी को जोड़ता है।

पोंट वेचियो

इटली में फ्लोरेंस स्थित यह पुल आनरे नदी पर मध्य युग (1345) में बनवाया गया था। यह सिर्फ पुल नहीं बल्कि अच्छा-खासा बाजार है। जहां सड़कें और गलियां हैं।

ब्रूकलिन ब्रिज

अमेरिका के न्यूयार्क स्थित ब्रूकलिन पुल दुनिया के सबसे पुराने झूला पुलों (सस्पेंस ब्रिज) में से एक है। इसका निर्माण कार्य 1883 में पूरा हुआ। लंबे समय तक यह दुनिया का सबसे लंबा झूला पुल बना रहा। ईस्ट रिवर पर बना तथा न्यूयार्क और ब्रूकलिन को जोड़ने वाला यह पुल यातायात के मामले में दुनिया के सबसे व्यस्त पुलों में शामिल है।

सिडनी हार्बर ब्रिज

आस्ट्रेलिया में सिडनी स्थित यह पुल दुनिया का सबसे विशाल (लंबा नहीं) पुल है. इसकी कुल लंबाई 1149 मीटर तथा आर्क का विस्तार 503 मीटर है। इस पुल से रेल, वाहन और पैदल यात्री गुजरते हैं। इस पुल के निर्माण में कुल 52,800 टन इस्पात का इस्तेमाल हुआ है।49 मीटर चौड़े डैक वाला यह पुल दुनिया का सबसे चौड़ा पुल भी है। इस पुल को बनने में 6 साल का वक्त लगा और 1932 में इसे जनता के लिए खोला गया।

द विंड एंड रेन ब्रिज

चीन में इस तरह के पुलों का निर्माण वहां की अल्पसंख्यक जनजाति डोंग द्वारा किया गया है। ऐसे पुलों का निर्माण बिना एक कील के इस्तेमाल के पूरी तरह लकड़ी से किया गया है। इन्हें विंड और रेन ब्रिज इसलिए कहा गया है क्योंकि ये ऊपर से ढके रहते हैं। इन पुलों में सबसे खू बसूरत लिनिक्सी नदी पर बनाया गया चेनयांग पुल है जो 100 साल पुराना है।

पोंट डू गार्ड दक्षिणी

घंस में गार्ड नदी पर बना यह पुल रोमन वास्तुकला का शानदार नमूना है। यह पुल पैदल चलने के अलावा पानी पहुंचाने के लिए उद्देश्य से बनाया गया था। इसका निर्माण ईसा-पूर्व 63-12 वर्ष माना जाता है। इस पुल के एक-एक पत्थर का वजन 6 टन तक है।

क्या जानवरों के भी आंसू बहते हैं?

क्या जानवरों के भी आंसू बहते हैं? यह बात सभी के मन उठना स्वाभाविक है। इस सम्बंध में प्राणियों का अध्ययन करने वाले विज्ञान विषय के साथियों का कहना हैं कि जानवर हमारी तरह आंसू बहाकर हमारी तरह अपना दुख व्यक्त नहीं करते हैं। सिर्फ बंदर ही ऐसा जीव है जो दुख या तकलीफ में हमारी तरह रोता या यूं कहें कि आंसू बहाता है।

फिर भी आपने हाथ , कुत्ते, घोड़े और भी दूसरे जानवरों की आंखों में आंसू निकलते देखे होंगे पर बात यह है कि आंसुओं का जानवरों के दुख और तकलीफ से कोई लेना देना नहीं। ये आंसू तो वे अपनी आंखों को साफ रखने के लिए बहाते हैं। जब हम रोते हैं तो हमारी आंखों के चारों ओर की मांशपेशियों में खिचाव होता है और आंखों के पास की अंश्रुग्रंथियों पर दबाव पड़ता है और इसी से अंसू बह निकलते हैं। जानवरों में इस तरह की मांसपेशियां नहीं होती हैं। जानवरों की आंखों से निकलने वाले आंसू उनका दुख और तकलीफ नही बताते हैं इसका मतलब यह नहीं हैं कि उन्हें दुख या तकलीफ नहीं होती। बस अपनी बात कहने का उनका तरीका दूसरा है जिसे उनके साथ रहकर समझा जा सकता है।

कैसे आया अखबार

अखबार तथा समाचार पत्रों का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। चीन में तांगवंश के रायकाल में राजकीय न्यायालय की सूचनाएं हाथ से लिखकर बांटी जाती थीं। उस समय छपाई मशीन की खोज नहीं हुई थी। चीन में ईसा से दो शताब्दी पूर्व से ही कागज का निर्माण होने लगा था। सातवीं शताब्दी में जापान और अरब में भी कागज निर्माण शुरू हो गया ता। यूरोप में सर्वप्रथम कागज का निर्माण सन् 1711 में हुआ। कागज को आधुनिक रूप देने का श्रेय फ्रांस के वैज्ञानिक लुईस राबर्ट को जाता है। राबर्ट ने 1794 में सुधरा कागज बनाया। हाथ से लिखकर समाचार वितरित करने का काम यूरोप में 1936 में आरंभ हुआ। उसी वर्ष यूरोप का पहला अखबार यूरोपियन समाचार पत्र लोगों ने पढ़ा। जर्मनी में 1430 के आसपास छपाई मशीन का अविष्कार का प्रकाशन प्रारंभ हो गया। उस समय अखबार या समाचार पत्र नियमित नहीं छपते थे।

विश्व का सबसे पहला साप्ताहिक पत्र प्रकाशित करने का श्रेय जर्मनी को जाता है। जर्मनी में 1605 में एक साप्ताहिक पत्रों का प्रकाशन आरंभ हो गया और पढ़े लिखे व्यक्तियों में समाचार पत्रों की मांग बढ़ गई। लंदन में पहला अंग्रेजी अखबार नयैनिबल घटर ने।

सोने की कीमत फिर होगी 52,000 के पार?

नई दिल्ली । कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के चलते निवेशक सुरक्षित निवेश का विकल्प तलाश कर रहे हैं. शेयर बाजार में जारी गिरावट इस ओर इशारा भी करती है। ऐसे में सोने में निवेश को लेकर निवशकों के रूझान में बदलाव देखा गया है और बीते कुछ दिनों से सोने-चांदी के भाव में तेजड़िया रुख देखा जा रहा है। सोने में इस तेजी के रुख को देखते हुए निवेशकों के बीच इसका भाव तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में शादियों का सीजन शुरू होने से भी सोने की मांग बढ़ेगी, इससे भी भाव में तेजी आ सकती है। बाजारों के जानकारों का कहना है कि मार्केट में करेक्शन की वजह से अगले 12 से 15 महीने में सोने की खरीद बढ़ सकती है और इसकी वजह से सोने का भाव 2,000 डॉलर (करीब 1.48 लाख रुपये) प्रति औंस से ऊपर जाकर नई ऊंचाई पर पहुंच सकता है। एक औंस 28.34 ग्राम के बराबर होता है। इस हिसाब से 10 ग्राम सोने का भाव करीब 52,500 रुपए से ऊपर जा सकता है। वर्ष 2021 में सोने का भाव करीब 4 फीसदी नीचे रहा था। ये 1806 डॉलर (करीब 1.34 लाख रुपये) प्रति औंस पर बंद हुआ था।

एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों ने अमेजन से निवेश की पुष्टि करने को कहा

नई दिल्ली । फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के स्वतंत्र निदेशकों ने अमेजन से शनिवार तक यह पुष्टि करने को कहा है कि वह नकदी संकट से जूझ रही खुदरा कंपनी में 3,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। जानकारी के मुतो बिक एफआरएल के ऋणदाताओं को 29 जनवरी 2022 तक बकाया चुकाने के लिए उक्त धनराशि देने की खबर आने के बाद स्वतंत्र निदेशकों ने इसकी पुष्टि करने के लिए कहा है। इससे पहले अमेजन ने एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों को पत्र लिखकर कहा था कि कंपनी द्वारा उसकी सहमति के बिना छोटे आकार के स्टोर को बेचना रोक के आदेश उल्लंघन होगा। हालांकि, इसके साथ ही अमेजन ने नकदी संकट से जूझ रही कंपनी के वित्तीय संकट को दूर करने की इच्छा फिर दोहराई थी। अमेजन ने कहा था कि वह एफआरएल के लिए प्रभावी समाधान ढूंढने को काफी इच्छुक है।

दावोस में डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक 22-26 मई को

नई दिल्ली । विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने कहा कि नए कार्यक्रम के मुताबिक उसकी वार्षिक बैठक 2022 का आयोजन दावोस में 22-26 मई के दौरान किया जाएगा। कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद यह पहली वैश्विक प्रत्यक्ष रूप से आयोजित बैठक होगी। यह घोषणा डब्ल्यूईएफ दावोस एजेंडा शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन हुई। सम्मेलन का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 17 जनवरी से किया गया। इससे पहले वार्षिक बैठक का आयोजन 17 जनवरी से ही प्रस्तावित था, जिसे बाद में ओमीक्रोन संक्रमण के चलते टाल दिया गया।

देश के 1,000 शहरों में 5जी नेटवर्क लाने की तैयारी में जुटी रिलायंस जियो

नई दिल्ली:

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा कंपनी जियो ने देश के 1,000 छोटे-बड़े शहरों में 5जी नेटवर्क कवरेज का ढांचा खड़ा करने की योजना बनाई है और इसके लिए अपनी फाइबर क्षमता के विस्तार के साथ पायलट योजना भी संचालित कर रही है। रिलांयस जियो इन्फोकॉम के अध्यक्ष किरण थॉमस ने एक बयान में भारत में 5जी सेवाएं मुहैया कराने से जुड़ी अपनी तैयारियों का ब्योरा देते हुए कहा कि इसके सफल संचालन के लिए कंपनी ने कई समर्पित टीमों का गठन किया हुआ है। थॉमस ने कहा, ÷देश भर के करीब 1,000 शहरों में 5जी कवरेज की योजना तैयार कर ली गई है। जियो अपने 5जी नेटवर्क पर स्वास्थ्य देखभाल एवं औद्योगिक स्वचालन जैसे उन्नत क्षेत्रों में परीक्षण भी करती रही है।÷ उन्होंने कहा कि जियो देश के कई शहरों में 5जी नेटवर्क की पायलट परियोजना भी चला रही है। इसके साथ ही त्रिआयामी मानचित्रों की मदद से 5जी सेवा

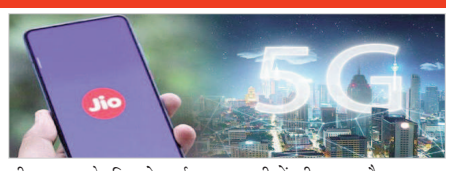

की शुरुआत के लिए नेटवर्क का खाका भी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ÷हम अत्याधुनिक तकनीक की मदद से नेटवर्क का खाका बना रहे हैं।

इसकी वजह यह है कि 5जी बेहद अनूठी प्रौद्योगिकी है जिसे बेहद उन्नत नेटवर्क नियोजन तकनीकों की जरूरत है। इस तरह 5जी नेटवर्क लाने की मंजूरी मिलते ही हम अपनी शुरुआत को प्राथमिकता के हिसाब से तय कर पाएंगे।÷ 5जी स्पेक्ट्रम के लिए नीलामी अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही शुरू होने की संभावना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में शे निवार को लगातार 799 वें दिन भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रही। केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच और 10 रुपए घटाने की घोषणा के बाद 04 नवंबर 2021 को ईंधन की कीमतों में तेजी से कमी आई थी। इसके बाद राज्य सरकार के मूल्य वर्धित कर (वैट) कम करने के फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में भी वैट को कम करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद राजधानी में 02 दिसंबर 2021 को पेट्रोल लगभग आठ रुपए सस्ता हुआ था। डीजल की भी कीमतें हालांकि जस की तस बनी रहीं। सप्ताहांत पर शुक्रवार रात लंदन ब्रेंट क्रूड 87.89 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.84 प्रतिशत उतरकर 84.83 डॉलर प्रति बैरल पर रहा था। देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे दिल्ली पेट्रोल 95.41 रुपए प्रे ति लीटर, डीजल 86.67 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 104.67 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.79 रुपए प्रे ति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 109.98रुपए प्रति लीटर, डीजल 94.14 डीजल और चेन्नई में पेट्रोल 101.40 रुपए प्रे ति लीटर, डीजल 91.43 रुपए प्रति लीटर है।

प्रमुख तेल कंपनी शेल ने अपने नाम से जुड़ा 'रॉयल डच' हटाया

ह्यूस्टन ।

हाल ही में घोषित एक बड़े पुनर्गठन की योजना के बाद ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शेल ने अपने नाम से जुड़े %रॉयल डच% शब्द को हटाया है,इस कंपनी ने 130 साल तक चलाया था। अनुमान लगाया गया है कि यूरोनेक्स्ट एम्स्टर्डम और लंदन स्टॉक एक्सचेंज 25 जनवरी को नाम में बदलाव को दर्शाना शुरु करेगा। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज 31 जनवरी को बदला हुआ नाम दिखाएगा। शुक्रवार को दिए बयान के अनुसार, 20 दिसंबर, 2021 को अपना नाम शेल पीएलसी में बदलने का बोर्ड का निर्णय अब प्रभावी हो गया है। तेल कंपनी के पुनर्गठन के काम में इसकी दोहरी-शेयर संरचना को शेयरों की पंक्ति में एकीकृत करना और अपने मुख्यालय को लंदन ले जाना शामिल है। इन परिवर्तनों में केवल लगभग एक दर्जन अधिकारी शामिल होने वाले है। जिनमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी बेन वैन बर्डन और मुख्य वित्तीय अधिकारी जेसिका उहल शामिल हैं, जो लंदन जा रहे हैं। कंपनी ने कहा कि नीदरलैंड में महत्वपूर्ण उपस्थिति बनाए रखने के बावजूद,उस उम्मीद है कि वह ''मानद रॉयल पदनाम का उपयोग करने के लिए शर्तों को पूरा नहीं कर पायेगी'', जिसे उसने 130 से अधिक वर्षों तक उपयोग में लाया है। बयान के अनुसार, शेयरधारकों को ध्यान देना चाहिए कि उनकी शेयरधारिता नाम के परिवर्तन से अप्रभावित रहेगी और मौजूदा शेयर प्रमाणपत्रों को बरकरार रखा जाना चाहिए क्योंकि वे सभी उद्देश्यों के लिए वैध रहेंगे और कोई नया शेयर प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा)

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में 4 प्रतिशत की गिरावट रही

- सेंसेक्स 427 अंक गिरकर 59,037 पर बंद , - निफ्टी 139 अंक टूटकर17,617 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की मुनाफा वसूली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कारोबा रियों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से भी घरेलू बाजार नुकसान में रहा। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 122.58 अंक बढ़कर 61,345.61 पर खुला और 85.88 अंक की बढ़त के साथ 61,308.91 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37.65 अंक की तेजी के साथ 18,293.40 पर खुला और 52.35 अंक बढ़कर 18,308.10 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 138.57 अंक बढ़कर 61,447.48 पर खुला और 554.05 अंक गिरावट के साथ 60,754.86 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 35.50 अंक की तेजी के साथ 18,343.60 पर खुला और 195.05 अंक की गिरावट के साथ 18,113.05 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 208.38 अंक की गिरावट के साथ 60,546.48 पर खुला और 656.04 अंक की गिरावट के साथ 60,098.82 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 84.95 अंक की गिरावट के साथ 18,028.10 पर खुला और 174.65 अंक की गिरावट के साथ 17,938.40 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 164.47 अंक की गिरावट के साथ 59,934.35 पर खुला और 634 अंक टूटकर 59,464 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 52.45 अंक की गिरावट के साथ

17,885.95 पर खुला और 248 अंक तक फिसलकर 17,689 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 690.51 अंक की गिरावट के साथ पर खुला और 427.44 अंक की गिरावट के साथ 59,037.18 पर बंद हुआ। निफ्टी 194.10 अंक की गिरावट के साथ 17,562.90 पर खुला और 139.85 अंक टूटकर 17,617.15 अंक पर बंद हुआ।

कोरोना लहर में डोलो 650 की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 60 फीसदी हुई

- मार्च 2020 में कोरोना के प्रकोप के बाद से 350 करोड़ से अधिक डोलो गोलियां बेची गई

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी की वजह से कई स्वास्थ्य संस्था और फार्मा कंपनियां अरबपति हो गई हैं। इसी कड़ी में डोलो 650 टैबलेट के निर्माता भी शामिल हैं। मार्च 2020 में कोरोना के प्रकोप के बाद से 350 करोड़ से अधिक डोलो गोलियां बेची गई हैं। महामारी के दौरान चिकित्सक सबसे अधिक यही दवा लेने की सलाह देते रहे हैं। इस वजह से डोलो पर आए दिन मीम्स शेयर होते हैं। इन मीम्स ने कहीं न कहीं डोलो 650 के लिए विज्ञापन का काम किया है। पिछले कुछ सप्ताह में ओमीक्रोन को लेकर डर और इसके मामले बढ़ने के साथ ही सोशल मीडिया पर फिर से डोलो पर मीम्स और पोस्ट शेयर होने लगे। इन मीम्स और बिक्री की बदौलत डोलो 650 की बाजार हिस्से दारी बढ़कर 60 फीसदी के करीब पहुंच चुकी है। डोलो को बेंगलुरु की

माइक्रो लैब्स बनाती है। जनवरी माह में भी डोलो के मार्केट शेयर में उछाल दर्ज किया जा रहा है। डोलो 650 एक पैरासीटामोल टेबलेट है, जिसका इस्तेमाल बुखार और दर्द के इलाज में किया जाता है। अनुमान है कि डोलो पर 80 से अधिक मीम्स प्रचलन में हैं जो दवाओं के अप्रत्यक्ष प्रचार, उनके तर्कहीन उपयोग और खुद से अनुचित इलाज के बारे में चिंताओं को जन्म दे रहे हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि विशेषज्ञ बताते हैं कि दवाओं का प्रचार और विज्ञापन, ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट का उल्लंघन है, और इसे अनियंत्रित नहीं होने देना चाहिए। चूंकि पैरासिटामोल एक अनुसूचित दवा है, इसलिए इसे बुखार के लिए अधिनियम के तहत प्रचारित नहीं किया जा सकता है। माइक्रो लैब्स का कहना है कि हम इसे कानून के अनुसार प्रचारित कर रहे हैं, और पैक पर वैधानिक चेतावनी है। अगर पेरासिटामोल को निर्धारित डोज में लिया जाता है, तो इसे एक अच्छी तरह से सहन करने की जा सकने वाली दवा के रूप में जाना जाता है लेकिन इसकी ओवरडोज लिवर और अग्नाशय को नुकसान पहुंचा सकती है।

वोडाफोन आइडिया का घाटा बढ़कर 7,231 करोड़

नई दिल्ली ।

कर्ज संकट से जूझ रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया के तिमाही नतीजे आ गए हैं। कंपनी ने बताया कि दिसंबर 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका घाटा बढ़कर 7,230.9 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी को एक साल पहले इसी अवधि में 4,532.1 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वोडाफोन आइडिया ने बताया कि इस अवधि में ऑपरेशन्स से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू में 10,894.1 करोड़ रुपए से 10.8 प्रतिशत की कमी आई और यह घटकर 9,717.3 करोड़ रुपए रहा। इसके अलावा कंपनी के सब्सक्राइबर्स में भी कमी आई है। कंपनी का सब्सक्राइबर बेस घटकर 24.72 करोड़ रह गया, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 26.98 करोड़ था। टैरिफ हाइक के बावजूद कंपनी की प्रति यूजर औसत आय लगभग पांच प्रतिशत घटकर 115 रुपए रह गई, जो 2020-21 की समान तिमाही में 121 रुपए थी।

बैंक, एनबीएफसी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 40,000 करोड़ दे सकते हैं कर्ज!

नई दिल्ली ।

भारत में बैंको और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के पास इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 2025 तक 40,000 करोड़ रुपए का कर्ज देने की क्षमता है। वहीं 2030 इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उनका कर्ज 3.7 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग और रॉकी माउंटेन इंस्टिट्यूट इंडिया (आरएमआई) ने एक संयुक्त रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैंकिंग शीर्षक की रिपोर्ट में देश में बिजली चालित परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र में खुदरा ऋण के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र की पहचान के महत्व को रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों और गैर बैंकिंग-वित्तीय कंपनियों में क्षमता है कि वे 2025 तक इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 40,000 करोड़ रुपए और 2030 तक 3.7 लाख करोड़ रुपए तक का कर्ज दे सकते हैं। हालांकि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए खुदरा वित्तपोषण उतनी रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। रिपोर्ट कहती है कि बैंकों और एनबीएफसी द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिए प्रदान किए जाने वाले ऋण को रिजर्व बैंक की प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को ऋण (पीएसएल) के दिशानिर्देशों में शामिल किया जाना चाहिए। इस रिपोर्ट के बारे में नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता बढ़ाने में वित्तीय संस्थान अहम भूमिका निभा सकते हैं।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में जोरदार गिरावट

मुंबई ।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है। दु निया की सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसीज़ में अच्छी खासी गिरावट देखी गई। सबसे ज्यादा गिरावट बिटकॉइन, इथेरियम, बीएनबी, कार्डानो और सोलाना में आई, जिससे क्रिप्टो बाजार से लगभग 150 बिलियन डॉलर का सफाया हो गया।सबसे चर्चित क्रिप्टो बिटकॉइन लगभग 15 फीसदी गिर गया और शुक्रवार की देर रात लगभग 36,000 डॉलर का कारोबार कर रहा था। ईथर, मार्केट कैप के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी, लगभग 20 फीसदी की गिरावट के साथ 2,500 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट गुरुवार को वॉल स्ट्रीट के नुकसान के बाद हुई। नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स और एसएंडपी 500 (दोनों अमेरिकी स्टॉक मार्केट इंडेक्स हैं) के लिए यह मार्च 2020 के बाद सबसे खराब सप्ताह था। शुक्रवार को नैस्डैक में 2.7 फीसदी की गिरावट आई, वहीं एसएंडपी 500 में 1.89 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस हफ्ते नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स में 7.55 फीसदी और एसएंडपी 500 में 5.7 फीसदी गिरावट आई है। साल के शुरुआत में निवेशक जोखिम नहीं उठाना चाह रहे हैं। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व मुद्रास्फीति से निपटने के लिए इस साल कई बार ब्याज दरें बढ़ा सकता है, इस वजह से भी बाजार प्रभो वित हो रहा है। पिछले हफ्ते फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने तेज से बढ़ती मुद्रास्फीति को देश के आर्थिक सुधार के लिए गंभीर खतरा बताया था। जिसके बाद निवेशकों को लग रहा है कि फेडरल रिजर्व इस साल मुद्रास्फीति से निपटने के लिए कई बार ब्याज दरें बढ़ाएगा। इस वजह से भी बाजार प्रभावित हुआ है।

बजट में आयकर सीमा 2.5 लाख से बढ़ सकती है: सर्वे

मुंबई ।

ज्यादातर लोगों ने संभावना जताई है कि वित्त वर्ष 2022-23 के आम बजट में आयकर छूट की सीमा को 2.5 लाख रुपए से बढ़ाया जा सकता है। केपीएमजी इंडिया के एक सर्वे में यह राय उभरकर सामने आई है। आम बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। बजट से पहले केपीएमजी द्वारा किए गए सर्वेक्षण में 36 प्रतिशत लोगों का मानना है कि 80सी कटौती के तहत कटौती की सीमा को 1.5 लाख रुपए से बढ़ाया जा सकता है। वहीं 19 प्रतिशत का कहना था कि वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती की सीमा को मौजूदा के 50,000 रुपए से बढ़ाया जा सकता है। सर्वेक्षण के अनुसार 16 प्रतिशत उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि बजट में वेतनभोगियों के लिए घर से काम करने की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कर-मुक्त भत्ता, अन्य लाभ दिया जा सकता है। इसमें इंटरनेट कनेक्शन, फर्नीचर और ईयरफोन के लिए प्रावधान किया जा सकता है। के पीएमजी ने बजट-पूर्व यह सर्वे जनवरी 2022 में किया है। इसमें वित्तीय क्षेत्र से जुड़े लगभग 200 पेशेवरों के विचार लिए गए हैं। सर्वेक्षण में 64 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मूल आयकर छूट की सीमा 2.5 लाख रुपए सालाना से बढ़ाई जाएगी। गौरतलब है कि इस बार संसद का बजट सत्र 31 जनवरी को दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा और 8 अप्रैल को समाप्त होगा। सूत्रों ने संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति की सिफारिश का हवाला देते ये जानकारी दी है। 1 फरवरी 2022 को आम बजट देश के सामने रखा जाएगा। सत्र का पहला भाग 11 फरवरी को समाप्त होगा। एक महीने के अवकाश के बाद सत्र का दूसरा भाग 14 मार्च से शुरू होगा और 8 अप्रैल को समाप्त होगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 634 अरब डॉलर के पार

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 2.229 अरब डॉलर बढ़कर 634.965 अरब डॉलर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इससे पहले सात जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 87.8 करोड़ डॉलर घटकर 632.736 अरब डॉलर हो गया था। जबकि तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में यह रिकार्ड 642.453 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 14 जनवरी को समाप्त समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में उछाल आने की वजह कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) तथा स्वर्ण आरक्षित भंडार में वृद्धि है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सप्ताह के दौरान एफसीए 1.345 अरब डॉलर बढ़कर 570.737 अरब डॉलर हो गया। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्रा के घट-बढ़ को भी शामिल किया जाता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 27.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 39.77 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार 12.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 19.22 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में देश का मुद्रा भंडार भी 3.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.238 अरब डॉलर हो गया।

टीम मानसिक रूप से मजबूत, भरोसा है कि हम अच्छा कर सकते हैं : भारतीय गोलकीपर अदिति चौहान

मुंबई ।
गोलकीपर अदिति चौहान ने शनिवार को कहा कि एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल के शुरूआती मैच में ईरान से गोलरहित ड्रा के बावजूद भारतीय टीम की सदस्यों को पूरा भरोसा है कि वे टूर्नामेंट में अच्छा कर सकती हैं। अदिति ने अपने 50वें अंतरराष्ट्रीय मैच में टीम के खिलाफ कोई गोल नहीं होने दिया। जब उनसे भारतीय खेमे के मूड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सभी आत्मविश्वास से भरी हैं। सभी लड़कियां मानसिक रूप से काफी मजबूत हैं। अपनी 50 मैच की उपलब्धि के बारे में इस गोलकीपर ने कहा कि आप वास्तव में इन चीजों के बारे में कभी नहीं सोचते। निश्चित रूप से जब युवा थी तो भारतीय जर्सी पहनने के बारे में हमेशा सपना देखती थी। हर बार भारत की जर्सी पहनना विशेष रहा है। लेकिन लगातार कई वर्षों तक ऐसा करना सम्मान की बात है जिसके लिये मैं बहुत ही भाग्यशाली हूं।

तीसरे एकदिवसीय में बदलावों के साथ उतर सकती है टीम इंडिया

केपटाउन ।

टीम इंडिया रविवार को यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में कुछ बदलावों के साथ उतरेगी। पहले दोनों मैच में भारतीय टीम को करारी हार मिल थी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीतकर सीरीज का समापन करना रहेगा। भारतीय टीम के मध्य क्रम के बल्लेबाज और गेंदबाज इस सीरीज में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। भारतीय टीम अब तक इस सीरीज में बल्लेबाजी के दौरान लंबी साझेदारी नहीं बना पायी है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे हैं, भुवनेश्वर कुमार के अलावा अनभवी स्पिनर आर अश्विन और यजुवेन्द्र चहल भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये। इन दोनों मैचों में एक बार भी भारतीय गेंदबाज मेजबान टीम के सभी विकेट नहीं ले पाये। पहले मैच में चार और दूसरे मैच में केवल तीन विकेट ही उन्हें मिल पाये। पहले दो मैचों में हार से कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल की नेतृत्व क्षमता के साथ ही भारतीय टीम की रणनीति पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ तीसरे मैच में आक्रमण को युवा गेंदबाजों जयंत यादव और दीपक चाहर को उतार सकते हैं। पहले दो मैच बोलैंड पार्क पर खेले गए जहां कम तेजी और उछाल रहती है जबकि न्यूलैंड्स की पिच पर अधिक तेजी और उछाल होने की संभावना है। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने वापसी पर अच्छी फॉर्म दिखायी है। पूर्व कप्तान विराट कोहली ने पहले मैच में 51 रन बनाए पर उन्हें एकदिवसीय कप्तानी से हटाया गया था और मैदान पर उनकी पहले जैसी ऊर्जा नजर नहीं आई। इसके अलावा श्रेयस अय्यर श्रेयस को भी रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मेजबान दक्षिण अपफ्रीकी टीम पहले दोनो मैच जीतने से उत्साहित है और उसका इरादा इस मैच को भी जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम करना रहेगा। मेजबान टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं और इससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

पीवी सिंधू सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

लखनऊ ।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को यहां 5वीं वरीयता प्राप्त रूसी प्रतिद्वंद्वी इवजेनिया कोसेतस्काया के सेमीफाइनल में रिटायर्ड हर्ट होने से सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में पहुंच गयीं। शीर्ष वरीय सिंधू ने आसानी से पहला गेम 21-11 से जीत लिया था जिसके बाद कोसेतस्काया ने दूसरे महिला एकल सेमीफाइनल मैच से रिटायर्ड हर्ट होकर हटने का फैसला किया। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू रविवार को फाइनल में हमवतन मालविका बंसोद से भिड़ेगी। मालविका ने तीन गेम तक चले सेमीफाइनल में एक अन्य भारतीय अनुपमा उपाध्याय को 19-21 21-19 21-7 से पराजित किया। लय, विश्व रैंकिंग और प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत के रिकॉर्ड को देखते हुए सिंधू के लिये यह मुकाबला आसान होने की उम्मीद थी। बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज सिंधू ने शनिवार के मुकाबले से पहले दुनिया की 28वें नंबर की खिलाड़ी कोसेतस्काया को दो बार हराया था और इस शीर्ष भारतीय ने फिर इस रूसी खिलाड़ी के खिलाफ अपना दबदबे वाला रिकॉर्ड बनाए रखा।

हालेप और सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे

मेलबर्न।

रोमानिया की सिमोना हालेप और आर्यना सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूनमिंट के महिला एकल के चौथे दौर में पहुंच गयी हैं। हालेप ने डैंका कोविनिच को 6-2, 6-1 से हराकर लगातार पांचवें साल आस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में स्थान बनाया। वहीं सबालेंका ने मर्डेका वोंड्रोसोवा के खिलाफ पहला सेट हारने के बाद 4-6, 6-3, 6-1 से वापसी करते हुए शानदार जीत दर्ज की। 14 वीं वरीयता प्राप्त हालेप का अगला मुकाबला अब एलाइज कॉर्नेट से होगा जिन्होंने 29वीं वरीय तमारा जिदानसेक को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया था। कॉर्नेट ने गरबाइन मुगुरुजा को हराकर पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में जगह बनायी है। वहीं अमेरिका की 27वीं वरीयता प्राप्त डेनिली कोलिन्स ने पहला सेट हारने के बाद 19 वर्षीय क्लारा टॉसन को 4-6, 6-4, 7-5 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला 19वीं वरीयता प्राप्त एलिस मर्टन्स से होगा।

आईपीएल नीलामी में वॉर्नर, रैना , किशन और धवन सहित 1214 खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

896 भारतीय और 318 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे

मुम्बई ।
इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र के लिए अगले माह होने वाली मेगा नीलामी में 1214 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श उन 49 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिनका आधार मूल्य आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी के लिए 2 करोड़ रुपये रखा गया है। आईपीएल की मेगा नीलामी अगले महीने 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होगीहै। नीलामी के लिए इस बार 1214 खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 896 भारतीय और 318 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं।

मेगा नीलामी में इस बार करीब 1214 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। इनमें 270 कैप्ड, 903 अनकैप्ड और 41 एसोसिएट देशों के खिलाड़ी शामिल हैं। 1214 में से 49 खिलाड़ियों ने अपना आधारमूल्य 2 करोड़ रुपये रखा है। इन 49 खिलाड़ियों में से 17 भारतीय और 32 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीयों में आर अश्विन, श्रेयस अय्यर, शिखर धवन, ईशान किशन, सुरेश रैना हैं जबकि विदेशियों में पैट कमिंस, एडम जम्पा, स्टीवन स्मिथ, शाकिब अल हसन, मार्क वुड, ट्रेंट बोल्ट, फाफ डु प्लेसिस, क्विंटन डी कॉक, कैगिसो रबाडा और ड्वेन ब्रावो हैं। आईपीएल 2022 के लिए इस बार टीमें 90 करोड़ रुपये खर्च कर सकती हैं। इसमें प्रत्येक फ्रेंचाइजी की टीम में अधिकतम 25 खिलाड़ी होंगे और 217 खिलाड़ियों को ही नीलामी में खरीदा जाएगा।इनमें से 70 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। इसके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के पूर्व सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिकल, गेंदबाज हर्षल पटेल और वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर ओडियन स्मिथ ने भी अपना आधार मूल्या 2 करोड़ रुपये रखा है। जिन 318 विदेशी खिलाड़ियों पर बोली लगने हैं, उनमें सबसे ज्यादा ऑस्ट्रेलिया के 59 खिलाड़ी है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका से 48, वेस्टइंडीज से 41, श्रीलंका से 41, अफगानिस्तान से 20, बांग्लादेश से 19, इंग्लैंड से 30, न्यूजीलैंड से 29, नेपाल से 15, अमेरिका से 14, नामीबिया से पांच, आयरलैंड से तीन, जिम्बाब्वे से दो और भुटान, नीदरलैंड्स, ओमान, स्कॉटलैंड और यूएई से एक-एक खिलाड़ी शामिल हैं। इस बार नीलामी में 8 की जगह 10 टीमें रहेंगी, इससे ज्यादा खिलाड़ियों को खेलने के अवसर मिलेंगे। इन टीमों ने नीलामी से पहले ही 33 खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा है। वहीं मिचेल स्टार्क, सैम कुरेन, बेन स्टोक्स, क्रिस गेल, जोफा आर्चर और क्रिस वोक्स नीलामी की शुरुआती सूची में शामिल नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

साइना पर अभद्र टिप्पणी करने वाले अभिनेता को चेन्नई पुलिस ने समन भेजा

चेन्नई । बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल को लेकर आपत्तिजनक ट्वीट करने वाले अभिनेता सिद्धार्थ की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पुलिस ने सिद्धार्थ के खिलाफ समन जारी किया है। चेन्नई पुलिस के कमिश्नर शंकर जीवल ने एक आधिकारिक बयान जारी करके कहा है, 'अभिनेता सिद्धार्थ को बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल पर उनके विवादास्पद ट्वीट को लेकर तलब किया गया है क्योंकि हमें इस संबंध में दो शिकायतें मिली हैं और इस मामले में हम उनसे उनका बयान दर्ज करना चाहते हैं।' साइना ने साइना को लेकर अभद्र ट्वीट किया था जिसके बाद लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की थी। ऐसे में सिद्धार्थ ने एक और पोस्ट के जरिए साइना से माफी मांगी थी। गौरतलब है कि साइना ने पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई लापरवाही को लेकर एक पोस्ट जारी किया था। इसमें उन्होंने लिखा था- 'कोई देश खुद के सुरक्षित होने का दावा नहीं कर सकता है अगर प्रधानमंत्री की सुरक्षा से ही समझौता हो जाए। मैं इसकी कड़े शब्दों में निंदा करती हूं।' उनके इसी ट्वीट पर सिद्धार्थ ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। साइना ने भी इसपर नाराजगी व्यक्त की थी।

अहमदाबाद फ्रैंचाइजी का कप्तान बनाये जाने से उत्साहित हैं पंडया

मुम्बई । आईपीएल के 2022 सत्र के लिए नई टीम अहमदाबाद का कप्तान बनाये जाने से ऑलराउंडर हार्दिक पंडया बेहद उत्साहित हैं। पंड्या ने कहा कि यह उनके लिए एक नए युग की शुरुआत है। अहमदाबाद ने मुंबई इंडियंस टीम के पूर्व ऑलराउंडर पंडया को 15 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वहीं आईपीएल 2022 रिटैंशन के दौरान मुंबई ने हार्दिक को रिलीज कर दिया था। आईपीएल में पहली बार हार्दिक किसी टीम की कप्तानी करते हुए दिखेंगे। माना जा रहा है कि पंड्या गुजरात से संबंध रखते हैं और स्थानीय प्रशंसकों के बीच उनकी लोकप्रियता को भुनाने के लिए ही फ्रैंचाइजी ने उन्हें कप्तान बनाया है। पंडया को अब अपनी फिटनेस हासिल करनी होगी क्योंकि वह पिछले कुछ वर्षों से फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से संघर्ष कर रहे थे। अहमदाबाद ने पंडया के अलावा जिन दो अन्य खिलाड़ियों से करार किया है वह कोलकाता नाइटराइडर्स के पूर्व सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और सनराइजर्स हैदराबाद के स्पिनर राशिद खान हैं। राशिद को अहमदाबाद ने अपने साथ 15 करोड़ रुपये में जोड़ा है। वहीं राशिद टी20 क्रिकेट के बेहतरीन गेंदबाजों में से शुभमन को अहमदाबाद फ्रैंचाइजी ने 8 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया है। इन तीनों खिलाड़ियों के नामों की घोषणा अहदाबाद फ्रैंचाइजी के डायरेक्टर विक्रम सोलंकी ने की। अहमदाबाद फ्रैंचाइजी बल्लेबाजी के कोच और मेंटोर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी गैरी कर्स्टन होंगे जबकि मुख्य कोच की जिम्मेदारी पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा के पास रहेगी।

हालातों के अनुसार खेलने और शॉट चयन पर मिलती है सलाह : ऋषभ

पार्ल ।

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबा ऋषभ पंत ने कहा है कि उन्हें हालातों के अनुसार खेलने और शॉट चयन को लेकर टीम प्रबंधन से सलाह मिलती रही है। ऋषभ की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग में दूसरे टेस्ट मैच के दौरान गैरजिम्मेदाराना शॉट खेलने के लिये कड़ी आलोचना हुई थी तथा पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा था कि टीम प्रबंधन ने बायें हाथ के इस बल्लेबाज के साथ इसको लेकर बात की है। वहीं अब केपटाउन में तीसरे टेस्ट में शतक और यहां दूसरे एकदिवसीय में 85 रन बनाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा, ''हमेशा सकारात्मक बातें होती हैं कि एक खिलाड़ी के तौर पर मैं क्या कर सकता हूं। मेरे पास सभी स्ट्रोक हैं पर मैं धैर्य के साथ और हालातों के अनुसार उन्हें कैसे खेल सकता हूं , इसलिए काफी बाता होती है।'' उन्होंने कहा, ''और हम जो भी चर्चा करते हैं, उसके अनुसार अभ्यास करते हैं और फिर मैच में उसे लागू करने की कोशिश करते हैं।''

ऋषभ को दूसरे एकदिवसीय में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था और वह टीम प्रबंधन की उम्मीदों पर सही साबित हुए थे। उन्होंने कहा, ''चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने का कारण यह था कि यदि बायें हाथ के बल्लेबाज को मध्यक्रम में मौका मिलता है तो फिर दायें और बायें हाथ के बल्लेबाज के संयोजन के साथ स्ट्राइक रोटेट करना आसान हो जाता है। विशेषकर बीच के ओवरों में जब लेग स्पिनर या बायें हाथ के स्पिनर गेंदबाजी करते हैं।''ऋषभ ने कहा, ''इसलिए टीम प्रबंधन को लगा कि बायें हाथ के बल्लेबाज को बल्लेबाजी करनी चाहिए और इसलिए यह भूमिका मुझे सौंपी गयी।'' इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने इसके साथ ही कहा कि टीम लगातार सुधार के लिये अपनी

गलतियों से सीख ले रही है। उन्होंने कहा, ''बल्लेबाजी के लिहाज से हम सही चल रहे हैं। हम अपनी गलतियों से सीख रहे हैं और हर दिन भारतीय क्रिकेट टीम के रूप में हम अपने खेल को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं।

भुवनेश्वर की जगह दीपक चाहर को शामिल करें : गावस्कर

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अगले एकदिवसीय विश्व कप 2023 को देखते हुए टीम में बदलाव करने होंगे। गावस्कर ने कहा है कि टीम में भुवनेश्वर कुमार की जगह युवा तेज गेंदबाज दीपक चाहर को जगह देनी चाहिये। गावस्कर के अनुसार भूवी की यॉर्कर और धीमी गेंद अब पहले की तरह फायदेमंद नहीं रही हैं। यही कारण है कि भुवनेश्वर दोनों एकदिवसीय मैचों में प्रभावी नहीं रहे। गावस्कर का मानना है कि भारत अगले साल आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी करने जा रहा । इसलिए चाहर जैसे युवा खिलाड़ी को जगह देनी चाहिये। वह निचले क्रम पर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। गावस्कर ने कहा कि भूवी ने भारतीय क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है पर पिछले एक साल में फ्रेंचाइजी स्तर के टी20 क्रिकेट में भी वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। पारी की शुरुआत में नहीं बल्कि वह अंतिम ओवर्स में काफी महंगे साबित हो रहे हैं। वह शानदार यॉर्कर और धीमी गेंदों का इस्तेमाल करते थे पर अब वह काम नहीं कर रही हैं। ऐसा भी हो सकता है विपक्षी टीम ने उन्हें अच्छी तरह से समझ लिय हो। इसलिए अब समय आ गया है कि भारतीय टीम को किसी और नये खिलाड़ी को शामिल करना चाहिये। यह काम जितनी जल्दी को अच्छा रहेगा क्योंकि इसे उस खिलाड़ी के पास विश्व कप कप तक तैयार होने का समय रहेगा।

डिकॉक हमारे लिए एक मूल्यवान खिलाड़ीः बावुमा

पार्ल । दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने अनुभवी सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह हमारे लिए बेहद कीमती खिलाड़ी हैं। डिकॉक ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 78 रनों की पारी खेली थी। बावुमा ने कहा कि भारतीय टीम के खिलाफ जीतने से पूरी टीम को बेहद खुशी हुई है। हम शुरुआत से ही सीरीज जीतना चाहते थे। डिकॉक को टीम में पाकर अच्छा लगा और उसने हमें फिर से दिखाया है कि वह हमारे लिए इतना मूल्यवान खिलाड़ी किसलिए है। एक टीम के तौर पर हमें अपनी क्षमताओं पर काफी भरोसा है, इसके साथ ही हमारा मनोबल भी बढ़ा है। हम ऐसी टीम नहीं हैं जिसमें स्टार खिलाड़ी हो जो व्यक्तिगत प्रदर्शन पर अधिक भरोसा करते हैं। हम वास्तव में एक इकाई के तौर पर मिलकर प्रयास करते हैं। टेस्ट से इस सीरीज आने के बाद किसी को भी हम पर ज्यादा भरोसा नहीं था और इससे हमें काफी प्रेरणा मिली। बावुमा ने कहा कि पिछले महीने में प्रदर्शन वास्तव में अच्छा रहा है। स्पिनरों ने शानदार काम किया है। यह बहुत अच्छी बात है। हम तेज गेंदबाजों पर गर्व करते हैं पर हमारे स्पिनर भी मैच जिता रहे हैं जो सबसे खुशी की बात है। मुझे भी अपनी टीम की कप्तानी में मजा आ रहा है।

एशिया कप महिला हॉकी : जापान के खिलाफ लय जारी रखना चाहेगा भारत

मस्कट ।

जीत से शानदार तरीके से अभियान शुरू करने वाली गत चैम्पियन भारतीय टीम रविवार को महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के पूल ए के दूसरे मैच में निचली रैंकिंग की जापान के खिलाफ इसी लय को जारी रखना चाहेगी। फॉर्म और विश्व रैंकिंग को देखते हुए जापान के खिलाफ जीत की पूरी उम्मीद है जो दुनिया की नौंवी रैंकिंग वाली भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल स्थान सुनिश्चित कर देगी। भारतीय टीम ने मलेशिया को 9-0 से रौंदकर एशिया कप अभियान शानदार तरीके से शुरू किया और वह बचे हुए टूर्नामेंट में भी इसी प्रदर्शन को जारी रखना चाहेगी जिसमें विश्व कप के चार स्थान दाव पर लगे हैं। ओलंपिक पदक से चूकी भारतीय टीम ने शुक्रवार को मलेशिया के खिलाफ धीमी शुरूआत की लेकिन जैसे मैच आगे बढ़ता गया उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता गया। इससे उसने विपक्षी टीम के डिफेंस से खेलते हुए पहले हाफ में चार और दूसरे हाफ में पांच गोल कर डाले। मलेशिया के खिलाफ अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया, नवनीत कौर और शमिला देवी ने दो दो मैदानी गोल किये जबकि लालरेमसियामी, मोनिका और दीप ग्रेस एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। भारत की अग्रिम पंक्ति ने मलेशिया के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया लेकिन चिंता की बात है कि उसकी रक्षापंक्ति की पहले मैच में परीक्षा नहीं हो सकी। हालांकि जापान की टीम रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज है लेकिन भारतीय टीम के मुख्य कोच यानेक शॉपमैन रविवार को मौजूदा एशियाई खेलों की चैम्पियन के खिलाफ मिलने वाली चुनौती से भली भांति वाकिफ हैं। शॉपमैन ने कहा कि यह अच्छा मैच होना चाहिए। जापान भी अनुभवी टीम लाया है इसलिये हम उनके खिलाफ खेलने के लिये तैयार हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि हम अपनी मजबूती के हिसाब से योजना का कार्यान्वयन कर सकते हैं या नहीं। भारत की तरह ही जापान ने भी अभियान सिंगापुर को 6-0 से हराकर शुरू किया। लेकिन भारत का हाल के समय में हुए मुकाबलों में जापान पर दबदबा रहा है जिसमें उसने 2019 में एक 'टेस्ट स्पर्धा% में उसे 2-1

से मात दी थी। भारतीय टीम ने अगस्त 2019 में तोक्यो ओलंपिक टेस्ट स्पर्धा के फाइनल में भी जापान को 2-1 के अंतर से हराया था। भारतीय टीम सोमवार को सिंगापुर के खिलाफ अपना अंतिम पूल मैच खेलेगी।

भारतीय महिला टीम के पास फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की क्षमता है : बाला देवी

नई दिल्ली । भारतीय महिला फुटबॉल टीम की अनुभवी खिलाड़ी एन बाला देवी का मानना है कि टीम के पास मौजूदा एएफसी एशियाई कप में अच्छा प्रदर्शन करने और अगले फीफा विश्व कप के लिए पहली बार क्वालीफिकेशन हासिल करने की काबिलियत है। बाला देवी यूरोप की शीर्ष लीग में पेशेवर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाली देश की एकमात्र महिला फुटबॉलर हैं। उन्होंने स्कॉटिश क्लब रेंजर्स का प्रतिनिधित्व किया है। भारतीय टीम को एएफसी एशियाई कप के अपने पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली टीम ईरान ने गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया था। टीम को अब चीनी ताईपै के खिलाफ अगले मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। सर्जरी से उबर रही 31 साल की यह स्ट्राइकर टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन सकी लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम इस चुनौती से सफलता पूर्वक निपट लेगी। बाला देवी ने कहा कि मुझे अपनी टीम पर भरोसा है। मैं अपने मौकों को लेकर सकारात्मक हूं, खासकर इसलिए क्योंकि हम घर पर खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकते है? मुझे ऐसा लगता है। पिछले दो या तीन वर्षों से प्रतिस्पर्धी मैचों में खुद को परखना कठिन रहा है। लेकिन मुझे लगता है कि प्रतिस्पर्धा के लिए हमारा स्तर काफी ऊंचा है और हमारे पास इसे पार करने के लिए पर्याप्त क्षमता हैं। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीमें 2023 फीफा विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी। अगर ऑस्ट्रेलिया की टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है तो टूर्नामेंट से 2 और टीमें सीधे तौर पर क्वालीफाई करेंगी। इसका फैसला हालांकि क्वार्टर फाइनल मैच में हारने वाली टीमों के बीच दो और चार फरवरी को होने वाले मुकाबलों से होगा।

गुजरात सरकार ने नई शिक्षा नीति में तैयार किया समग्र विकास का रोडमैप: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद - मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि अनुसंधान और नवाचार को गति देकर गुजरात सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में समग्र विकास का रोडमैप तैयार किया है और स्टूडेंट स्टार्टअप पॉलिसी के माध्यम से युवाओं को करियर निर्माण के लिए नए क्षेत्र उपलब्ध कराए हैं। शनिवार को पाटण जिले के सिद्धपुर में गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के दूसरे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने यह बात कही। समारोह में युवाओं से मुखातिब होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के युवाओं के पास देश की सेवा करने का अमूल्य अवसर है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भविष्य के भारत की चुनौतियों को अवसर में तब्दील कर प्रतिबद्ध होने का यह अवसर है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की दशा और दिशा बदल चुकी है। 21वीं सदी ज्ञान की सदी बनी है और विश्व के सबसे युवा देश के तौर पर भारत वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। ऐसे में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वप्न के अनुसार यह जरूरी है कि गुजरात का युवा इस तरह से कार्य करे कि वह दुनिया के युवाओं से आंख मिला सके। विषय विशेषज्ञता हासिल करने के लिए आज गुजरात में 95 से अधिक विश्वविद्यालय नरेन्द्र मोदी के विजन के चलते कार्यरत हैं। उन्होंने आगे कहा कि सिद्धपुर शहर सरस्वती नदी के तट पर बसा है, जो मोक्षदायिनी है और भक्तों को विद्यादान करती हैं। उन्होंने नालंदा, तक्षशिला और सांदीपनी आश्रम जैसे प्राचीन विद्यापीठों का दृष्टांत देते हुए प्राचीन शिक्षा पद्धति पर रोशनी डाली।

गुजरात के युवाओं से नवीकरणीय ऊर्जा, प्राकृतिक कृषि और हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में करियर निर्माण करने को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि आज समूची दुनिया प्राकृतिक खेती की दिशा में बढ़ रही है, तब रसायन मुक्त खेती के लिए अपने परिवार, गांव या समाज के लोगों को प्रेरित करना भी सामाजिक दायित्व है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रमुख बलवंतसिंह राजपूत को सुझाव दिया कि वे गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी को वैश्विक रैंकिंग में ऊंचे मुकाम पर ले जाने का प्रयास करें। पटेल ने गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों से वंचितों, शोषितों और पीड़ितों की सेवा का माध्यम बनने और हृदय में राष्ट्रनिर्माण एवं राज्य के विकास का भाव रखने का आग्रह किया। उन्होंने गुजरात के युवाओं से नया भारत के निर्माण में 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' अभियान के जरिए योगदान देकर भारत को विश्व गुरु बनाने की अपील की।

शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने कहा कि आज के दिन छात्र अपनी नई जिंदगी की ओर कदम रखने जा रहे हैं। आज

का दिन उनके जीवन का अहम दिन है। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उपाधि का वितरण छात्रों के लिए सचमुच ही गौरव की बात है। वाघाणी ने कहा कि छात्रों को सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता युक्त शिक्षा मुहैया कराना यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन था। बलवंतसिंह राजपूत ने गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी की स्थापना कर अपने माता-पिता के सपने को पूरा किया है। छात्रों को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ 'चरैवेति-चरैवेति' के भाव को सार्थक करना है। शिक्षा को निरंतर चलने वाली प्रक्रिया करार देते हुए शिक्षा मंत्री ने छात्रों से कहा कि उन्हें जीवन के सभी क्षेत्रों में श्रेष्ठ बनने का प्रयास करना होगा। गुजरात सरकार ने इस तरह की व्यवस्था की है कि राज्य के विश्वविद्यालय गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान कर सकें।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंति पर गुजरात कांग्रेस राज्यभर में करेगी विभिन्न कार्यक्रम

अहमदाबाद।

देश के महान सपूत और आजाद हिन्द फौज के संस्थापक नेता सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को जन्म जयंति है और इस मौके पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस रविवार को राज्यभर में विभिन्न कार्यक्रम करेगी। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर और विपक्ष के नेता सुखराम राठवा समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता रविवार को अहमदाबाद के सुभाष ब्रिज स्थित नेता सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा को पुष्पाजंलि अर्पण करेंगे। अहमदाबाद शहर के सभी 16 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के झंडे के साथ बाइक रैली निकाली जाएगी। सुबह 10.15 बजे टेब्लो के साथ बाइक रैली को गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर समेत पार्टी नेता प्रस्थान कराएंगे। शाम 4.15 बजे गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर समेत वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में च्सुभाष चंद्र बोस के जीवन एवं राष्ट्र निर्माण में योगदानज्ञ पर विख्यात लेखक, चिंतक मणिभाई पटेल और सरदार वल्लभभाई पटेल कॉलेज के आचार्य डॉ. जगदीश चौधरी वक्तव्य देंगे।

राज्य में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी : कांग्रेस

अहमदाबाद।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस ने राज्य में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच सरकारी अस्पताल में डोक्टरों की कमी को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस का आरोप है कि राज्य के कई सरकारी अस्पतालों में डोक्टरों की कमी है, इसके बावजूद सरकार इस दिशा में कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। जब अस्पतालों में डोक्टर ही नहीं होंगे तो लोगों का इलाज कैसे होगा? राज्य में 1392 सुपर स्पेश्यालिटी डोक्टरों की जरूरत है, जबकि उपलब्ध हैं केवल 13 डोक्टर। यानी राज्य में 99 सुपर स्पेश्यालिटी की जगह भी रिक्त है। राज्य में स्वास्थ्य के लिए करोड़ों रुपए के बजट का आवंटन किया जाता है, लेकिन डोक्टरों की भर्ती नहीं किए जाने से लोगों का उपचार नहीं हो पाता। राज्य के स्वास्थ्य विभाग को भ्रष्टाचार का एपी सेंटर बताते हुए गुजरात कांग्रेस ने कहा कि राज्य में सर्जन, बाल रोग विशेषज्ञ, महिला रोग विशेषज्ञ समेत सुपर स्पेश्यालिटी की जगह लंबे समय से खाली हैं। इस संदर्भ में बार बार पेशकश किए जाने के बावजूद स्वास्थ्य ढांचे में सुधार और डोक्टरों की भर्ती करने में राज्य की भाजपा सरकार निष्क्रिय रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आउट सोर्सिंग और कोन्ट्रेक्ट के नाम पर स्वास्थ्यकर्मियों का बड़े पैमाने पर आर्थिक शोषण करनेवाली प्राइवेट एजेंसियां भाजपा सरकार के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। कोरोना महामारी में स्वास्थ्य सेवा का भाजपा के भ्रष्ट मॉडल का पर्दाफाश हो चुका

है। पीएचसी, सीएचसी और सिविल अस्पतालों में बड़े पैमाने पर जगह खाली होने से स्वास्थ्य सेवा के मामले में गुजरात काफी पीछे है। मानव सूचकांक में भी गुजरात भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण गातार पीछे होता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की लगातार फटकार के बावजूद सरकार डॉक्टरों या पेरा मेडिकल की स्थायी भर्ती नहीं कर रही।

गुजरात में कोरोना के 23150 नए मरीज, 15 लोगों की मौत, 10103 हुए डिस्चार्ज

अहमदाबाद।

शनिवार को गुजरात में कोरोना के 23150 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 10103 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। जबकि 15 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। आज राज्यभर में 1.88 लाख से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 8194 कोरोना पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2823, सूरत कॉर्पोरेशन में 1876, राजकोट कॉर्पोरेशन में 1707, वडोदरा में 886, सूरत में 612, आणंद में 565, जामनगर कॉर्पोरेशन में 563, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 547, कच्छ में 462, भरुच में 448, भावनगर कॉर्पोरेशन में 401, मोरबी में 373, वलसाड में 359, गांधीनगर में 327, राजकोट में 322, बनासकांठा में 252, नवसारी में 240, मेहसाणा में 238, पाटन में 236, अमरेली में 213, साबरकांठा में 186, खेडा में 169, जामनगर में 167, सुरेन्द्रनगर में 144, अहमदाबाद में 138, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 104, तापी में 8।, दाहोद में 81, पंचमहल में 74, देवभूमि द्वारका में 73, जूनागढ़ में 52, पोरबंदर में 51, नर्मदा में 46, भावनगर में 35, गिर सोमनाथ में 35, महीसागर में 20, बोटाद में 16, अरवल्ली में 12, छोटाउदेपुर में 8 और डांग में 8 समेत राज्यभर में 23150 कोरोना के मामले पिछले 24 घंटों में सामने आए हैं। वहीं 10103 लोगों को डिस्चार्ज किए जाने के साथ राज्य में कोरोना से अब तक 905833 स्वस्थ हो चुके हैं। शनिवार को राज्य में 15 मरीजों की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10230 पर पहुंच गया है। फिलहाल राज्य में 1298 ।5 एक्टिव केसों में 129631 स्टेबल हैं और 244 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। शनिवार को राज्य में 188588 नागरिकों का टीकाकरण किया गया। जिसमें 11 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 256 को दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 5547 को कोरोना का पहला और 2048 4 लोगों को दूसरा टीका दिया गया। 18 से 45 वर्षीय आयु वर्ग के 24848 को पहली और 58029 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। 15 से 18 वर्षीय 3 ।389 किशोरों को कोरोना का पहला डोज दिया गया। जबकि 42024 नागरिकों को प्रिकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 9 करोड़ 62 लाख 28 हजार 391 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया जा चुका है।

वित्त मंत्री कनुभाई देसाई के हाथों, रु.14 करोड़ की लागत से 66 के.वी. सबस्टेशन को भूमि पूजन किया जाएगा

सूरतः शनिवारः- सूरत जिले के आदिवासी क्षेत्र के किसान, ताकि ग्रामीणों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा सके इस लिए वित्त, ऊर्जा और पेट्रोरसायन मंत्री और सूरत जिले के प्रभारी मंत्री श्री कनुभाई देसाई रविवार 23 जनवरी-66 केवी को मंग्रोल तालुका के शाह में 6 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सबस्टेशन का भूमि पूजन किया जाएगा। मंगरोल के शाह गांव के 66 केवी। सबस्टेशन से 12 गांवों के 10815 और उमरपाड़ा के बरदी गांव के 66 के. सबस्टेशन 12 गांवों के 10,612 लोगों को प्रदान करेगा।बिजली सुविधा से 32 गांवों के कुल 19,035 लाभार्थी लाभान्वित होंगे।

66 केवी सबस्टेशन सुविधा के निर्माण से, मंगरोल तालुका के शाह, बोरसाद, ज़खरदा, वस्तान, सुराली, वासरावी, डूंगरी, उमेलाव, डेगडया, ज़गडया, रतोला, वेराकुई के 12 गांवों के 108 15 लोगों को बिजली का लाभ मिलेगा।इनमें 1200 कृषि ग्राहक, 9450 आवासीय ग्राहक, 50 जल-कार्य, 100 वाणिज्यिक इकाइयां और 15 औद्योगिक इकाइयां शामिल हैं।जबकि उमरपाड़ा तालुका के बर्दी, अंबाड़ी, पिनपुर, दर्डा, घनावाड़, दिवातन, उमरगोट, चोखवाड़ा, उमरपाड़ा, उचवान, वेंजलि, केवड़ी, बिलवान, शारदा, गोपालिया, गोवत, चंद्रपाड़ा, सल्ली और हल्दीरी को 19 गांव से 8220 लोगों को लाभ मिलेगा। इनमें 600 कृषि ग्राहक, 7200 आवासीय ग्राहक, 60 वाटरवर्क्स, 350 वाणिज्यिक इकाइयां और 10 औद्योगिक इकाइयां शामिल हैं। इस अवसर पर कृषि, ऊर्जा और पेट्रोरसायन राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

नई गाइडलाइन का पालन नहीं किया तो होगी कड़ी कार्यवाही : पुलिस महानिदेशक

अहमदाबाद । गुजरात में कोरोना संक्रमण बढ़ने के चलते राज्य सरकार ने शुक्रवार को नई गाइडलाइन जारी की है, जो आज से प्रभावी हो गई है। राज्य के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने नई गाइडलाइन का पालन नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। बता दें कि पहले राज्य के 8 महानगर अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, सूरत, भावनगर, राजकोट, जामनगर और जूनागढ के अलावा आणंद व नडियाद में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू लागू रहता था। लेकिन राज्य में रॉकेट गति से कोरोना मामले को बढ़ता देख मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कोर समिति की बैठक में नई गाइडलाइन जारी की गई है। जिसमें होटल-रेस्टोरंट को 24 घंटे होम डिलीवरी की छूट दी गई है। वहीं रात 10 बजे तक 75 प्रतिशत क्षमता के साथ होटल-रेस्टोरंट खुले रखे जा सकेंगे। अन्य व्यावसायिक गतिविधियां भी रात 10 बजे तक जारी रहेंगी। इसके अलावा सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, वैवाहिक समेत अन्य कार्यक्रम 150 लोगों की मौजूदगी में आयोजित किए जा सकेंगे। ऐसे कार्यक्रम यदि बंद जगह पर होते हैं तो जगह की 50 प्रतिशत क्षमता के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया जा सकेगा। गुजरात में गाइडलाइन आज से लागू हो गई है। शनिवार की रात से राज्य के 27 शहरों में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू रहेगा। जिसमें अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट, जामनगर, जूनागढ़, भावनगर और गांधीनगर महानगर के अलावा आणंद, नडियाद, सुरेन्द्रनगर, ध्रांगध्रा, मोरबी, वांकानेर, धोराजी, गोंडल, जेतपुर, कालावाड़, गोधरा, विजलपोर, नवसारी, बिलिमोरा, व्यारा, व्यापी, वलसाड़, भरुच और अंकलेश्वर शामिल हैं। अब तक अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट, जामनगर, जूनागढ़, भावनगर और गांधीनगर महानगर के अलावा आणंद व नडियाद में रात्रि कर्फ्यू लागू था। अब राज्य में रात्रि कर्फ्यू वाले शहरों की संख्या 10 से बढ़कर 27 हो गई है। पुलिस

महानिदेशक ने कर्फ्यू वाले शहरों में यदि नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी है। विवाह समारोह में मर्यादा को लेकर उन्होंने कहा कि प्रत्येक विवाह का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। शादी समारोह में गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करना होगा। लोगों से अपील है कि वे 150 लोगों की उपस्थिति में शादी समारोह का आयोजन करेंगे और अगर कोई इसका उल्लंघन करेगा तो कार्यवाही की जाएगी। सभी 27 शहरों में कर्फ्यू का कड़ाई से अमलीकरण किया जाएगा। राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर आशीष भाटिया ने कहा कि जब संक्रमण कम होता है तब कोई कार्यवाही नहीं की जाती। लेकिन कोरोना संक्रमण बढने पर कार्यवाही की जाती है। नेता ही नहीं आम लोगों के खिलाफ भी संक्रमण कम होने पर कार्यवाही नहीं की जाती।

एमएक्स प्लेयर के 'भौकाल' 2 को मिली अभूतपूर्व प्रतिक्रिया

लीड ऐक्टर मोहित रैना ने अपनी तरह की पहली वर्चुअल पहल में भारत के सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन - सदर बाजार, रेड फोर्ट और समूचे भारत के ऑफिसर्स को किया नमन

मुंबई-

आईपीएस ऑफिसर नवनीत सिकेरा के जीवन से प्रेरित एमएक्स प्लेयर की हाल ही में लॉन्च हुई सीरीज 'भौकाल' 2 ने अपनी दिलचस्प कहानी और शानदार परफॉर्मेंस से देश में हलचल मचा दी है। इसकी सफल ओपनिंग ने न केवल दर्शकों का दिल जीता, बल्कि एक अनूठे पहल में एमएक्स प्लेयर ने भारत के सबसे पुराने पुलिस स्टेशनों मे से एक, ऐतिहासिक सदर बाजार पुलिस स्टेशन से दिल्ली पुलिस के साथ साझीदारी की। इस पुलिस स्टेशन की स्थापना दिल्ली में 1861 में हुई थी और इसे 2021 में देश का सबसे बढ़िया पुलिस स्टेशन माना गया। रियल लाइफ सिंघम - नवनीत सिकेरा का किरदार निभाने वाले मोहित रैना ने खाकी वर्दी वालों के अथक प्रयासों को नमन किया, जो नि:स्वार्थ भाव से देश की सेवा कर रहे हैं, खासकर महामारी के दौरान।

वास्तविक जीवन की आपराधिक घटनाओं और पुलिस ऑफिसर्स के संघर्षों और बलिदानों को दर्शाती 'भौकाल' 2 क्राइम-थ्रिलर विधा में बेहतरीन शोज़ में से एक है। हाल के दिनों में एमएक्स प्लेयर विविध विधाओं में 'आश्रम', 'मत्स्य कांड', 'हाई', 'समानांतर', और 'कैम्पस डायरीज' जैसे कई सारे रिकॉर्ड-तोड़ शोज़ लेकर प्रस्तुत किया है। इन शोज ने भारतीय और ग्लोबल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना जलवा दिखाया और यह सीरीज पहले ही इस प्लेटफॉर्म पर तीन टॉप शोज़ में अपनी जगह बना चुकी है। इससे यह साबित होता है कि यह ब्रांड दर्शकों के मनोरंजन की जरूरतों को समझता है और उनके लिये क्वालिटी कंटेंट लाने के प्रति प्रतिबद्ध है।

हम शायद ही कभी पुलिस अधिकारियों के उन बलिदानों को समझ पाते हैं, जो वे हमारे लिये करते हैं। चाहे वह तय शिफ्ट में काम कर रहे हों या आपातकालीन स्थितियों में उन्हें ड्यूटी पर बुलाया जा रहा हो, वे पूरे दिल से इसे करते हैं और दूसरों की सुरक्षा के अपने कर्तव्य को सबसे ऊपर रखते हैं। साथ ही एक अपराध-मुक्त शहर बनाने की दिशा में काम करते हैं, जहाँ इसके नागरिक सुरक्षित महसूस करें। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के सम्मान में और इंडस्ट्री की प्रथम पहल के रूप में, एमएक्स प्लेयर ने मोहित रैना और नई दिल्ली के सदर बाजार

पुलिस स्टेशन के 75 अधिकारियों और अन्य लोगों के साथ एक आकर्षक और इंटरैक्टिव वर्चुअल मीट ऐंड ग्रीट कार्यक्रम का आयोजन किया। ये भारत के अलग-अलग शहरों से कार्यक्रम में शामिल हुए।

एस.एस.पी नवीन सीकेरा की भूमिका के लिये बेहद सराहे गये मोहित रैना ने इस सीरीज में अपने किरदर के बारे में बात की, क्योंकि उन्होंने 2003 में मुजफ्फरनगर में अराजकता को नियंत्रित करने वाले पुलिस की भूमिका निभायी है। उन्होंने अपनी विनम्र भेंट से ऑफिसर्स का दिल जीत लिया। जिसमें कहा गया कि देश और हमारी सुरक्षा के लिये ऑफिसर्स के प्रयासों और बलिदान को भलीभांति समझते हैं।

इस अनूठे और महत्वपूर्ण कार्यक्रम को भारत के लगभग 20 शहरों में कई अन्य अधिकारियों और मीडिया के लिये लाइव स्ट्रीम किया गया और यह हमारे देश के नायकों के लिये वास्तव में एक यादगार दिन था क्योंकि उन्हें पूरे देश की ओर से बहुत ही सम्मान और आदर मिला।

सूरत के अतुल बेकरी को उभरते एफ एंड बी ब्रांड के लिए टीपीसीआई राइजिंग स्टार्स नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया

सूरत भूमि, सूरत

गुजरात स्थित अतुल बेकरी ने ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (टीपीसीआई) द्वारा दिए गए राइजिंग स्टार्स इमर्जिंग एफ एंड बी ब्रांड अवार्ड जीतकर अपनी टोपी में एक और पंख जोड़ा है। एमएसएमई मंत्री नारायण राणे, भारत सरकार की उपस्थिति में दिल्ली में आयोजित एमएसएमई निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह 2022 में अतुल बेकरी के संस्थापक अतुल वेकारिया को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

गुजरात के सबसे लोकप्रिय बेकरी ब्रांड के अध्यक्ष अतुल वेकारिया ने एक बयान में कहा कि यह पुरस्कार दुनिया भर के ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण और स्वादिष्ट व्यंजन वितरित करने के लिए अपने ग्राहक के प्राथमिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)